RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 98 ता. 05 अक्टूबर 2024, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

7 को भारत आ सकते हैं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू, पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के 7 अक्टूबर को भारत आने की उम्मीद है। भारत और मालदीव सितंबर की शुरुआत से ही मुइज्जू की अपेक्षित यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। यह मुइज्जू की पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद दूसरी बार भारत यात्रा होगी। मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता ने मुइज्जू के भारत यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले दो मंत्रियों से इस्तीफा ले लिया गया है। इस साल के शुरुआत में मालदीव के युवा मंत्रालय के उप मंत्रियों को सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के कारण निलंबित कर दिया गया था। नई दिल्ली ने इस मामले को जोरदार तरीके से उठाया था। मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद, मालदीव के उप मंत्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी की आलोचना की थी। भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर में तनावपूर्ण हो गए थे, जब मुइज्जू का चीन के प्रति झुकाव हो गया था जब मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मुइज्जू ने भारत से अनुरोध किया था कि वह देश द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे करीब 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। भारत ने अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह

ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में मारी टक्कर, दस की मौत, तीन गंभीर

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर जिले के कछवा थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना में दस की मौत हो गई, तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि टक्कर लगने ट्राली में बैठे कुछ लोग सड़क पर गिर गए और ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, जबकि कुछ लोग गड्ढे में गिर गए थे। घटना के बाद, गुस्साई भीड़ ने सड़क जाम कर दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचे और नागरिकों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के मुताबिक यह हादसा रात करीब एक बजे प्रयागराज-वाराणसी राजमार्ग पर कटका गांव के पास उस समय हुआ जब श्रमिकों से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर है। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मजदूर भदोही जिले के तिउरी गांव से अपने घर वाराणसी लौट रहे थे। तभी कछवा थाना क्षेत्र में प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर उनकी ट्रैक्टर ट्राली को अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना में मरने वालों में मिर्जामुराद के सिंहपुर गांव के भानू (25), विकास (30), बीरबलपुर के अनिल (35), सूरज कुमार (22), सनोहर (25), राकेश कुमार (25), नितिन (22), रोशन कुमार (25), प्रेम कुमार (40) और राहुल कुमार (26) की मौत हो गई हैं। वहीं घायलों में आकाश (18), जमुनी (26) और अजय का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने तीनों की स्थिति गंभीर बताई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः एमवीए गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं ओवैसी

-एआईएमआईएम ने भेजा प्रस्ताव, महा विकास अघाड़ी ने नहीं लिया फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम पार्टी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के गठबंधन में शामिल होने कोशिश कर रही है। अगर एआईएमआईएम एमवीए में शामिल हो जाती है, तो यह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि उद्धव गुट एआईएमआईएम के शामिल होने का विरोध कर रहा है। शिवसेना ने कहा है कि एमवीए में पहले से ही कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी, शेतकारी कामगार पक्ष और रिपब्लिकन संगठन जैसे कई दल शामिल हैं। ऐसे में नई पार्टी के लिए वर्तमान परिस्थितियों में कोई जगह नहीं है। एआईएमआईएम ने कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को गठबंधन बनाने का लिखित प्रस्ताव भेजा है, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव को न तो स्वीकार और न ही अस्वीकार किया गया है। यदि एआईएमआईएम को शामिल करने पर एमवीए में सहमति नहीं बनती, तो पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच, एआईएमआईएम ने एमवीए को 28 सीटों की सूची सौंपी है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। ये सभी 28 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की हैं, या जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एआईएमआईएम ने कहा है कि यदि गठबंधन बनता है, तो वह सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ने को भी तैयार है।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने तैनात की फौज, भारत ने खाड़ी में लगा दिए जहाज

नई दिल्ली।

इजरायल-ईरान तनाव के बीच मिडिल-ईस्ट की स्थिति तेजी से बदल रही है। दुनिया के तमाम देश इस पर नजर रख रहे हैं। अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला किया है तो ब्रिटेन भी अपनी सेना बढ़ाने की बात कह रहा है। कुल मिलाकर ये दोनो ही देश आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। इधर भारत ने शुरु से ही शांति का संदेश देने की कोशिश की है। भारत की नजदीकी इजरायल और ईरान दोनों से बराबर की रही है। हालांकि इसके बावजूद तनाव के समय में मिडिल-ईस्ट में भारतीय सेना की एकाएक तैनाती बिना कहे भी बहुत कुछ कह रही है। भारतीय नेवी के तीन जहाज इस वक्त ईरान के पोर्ट पर खड़े हैं। फारस की खाड़ी में ट्रेनिंग मिशन के तहत मंगलवार को भारतीय नौसैनिक जहाज- आईएनएस शार्दुल, आईएनएस तीर और आईसीजीएस वीरा ईरान के बंदर अब्बास पहुंचे। भारत के इन नेवी शिप का स्वागत ईरानी नौसेना के जहाज़ ज़ेरेह ने किया। यह कदम भारत और ईरान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग के लिए हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह आदेश दिया है कि जल्द ही मिडिल ईस्ट में अमेरिका के कुल सैनिकों की संख्या 43,000 तक पहुंच जाएगी। मौजूदा वक्त में वहां अलग-अलग देशों में कुल 40 हजार अमेरिकी सैनिक हैं। अमेरिका इस जंग में इजरायल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। ईरान से तनाव के बीच आने वाले वक्त में लड़ाई छिड़ने का खतरा बना हुआ है। यही वजह है कि अमेरिका ने अतिरिक्त तीन हजार सैनिक मिडिल-ईस्ट में भेजने का ऐलान किया है। एक आम समय में हर वक्त मिडिल-ईस्ट में अमेरिका के करीब 34 हजार सैनिकों की तैनाती रहती है। पिछले साल गाजा में इजरायल के एक्शन के बाद कुछ समय के लिए इसे बढ़ाकर करीब 50 हजार तक भी पहुंचा दिया गया था।

हालांकि बाद में इसे कम कर दिया गया।अब अमेरिका के साथ-साथ नाटो में उसके सबसे खास पार्टनर ब्रिटेन ने भी मिडिल-ईस्ट में अपनी सैना बढ़ाने का

ऐलान कर दिया है। साथ ही पिछले कुछ दिनों में ब्रिटेन में 700 अतिरिक्त सैनिक वेस्ट-एशिया में भेज दिए हैं।

मिडिल-ईस्ट के देश साइप्रस में ब्रिटेन के सैनिक स्टेशन किए गए हैं। यह देश ब्लैक सी में स्थित हैं। इजरायल के साथ ब्रिटेन भी इस युद्ध में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

-आध्यात्मिकता के जरिए से स्वच्छ और स्वस्थ समाज पर की चर्चा

जयपुर।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के सिरोही जिले में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर आध्यात्मिकता के जरिए से स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में चर्चा की।

इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और सीएम भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे। सम्मेलन में शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला एवं संस्कृति, मीडिया, राजनीति और समाज सेवा से जुड़े 15 से ज्यादा देशों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हो रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम को ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गई थीं, और वहां सुरक्षा व्यवस्था के तहत चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। जिला प्रशासन ने व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए शांतिवन में जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की स्कैनिंग की गई। कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार का सामान ले जाने की इजाजत नहीं है। द्रौपदी मुर्मू को ब्रह्माकुमारीज का करीबी माना जाता है। ब्रह्माकुमारीज एक आध्यात्मिक आंदोलन है जिसकी स्थापना 1930 के दशक में

हैदराबाद, सिंध में हुई थी। यह आंदोलन मानव शरीर और सामाजिक पहचानों से परे जाने के महत्व पर जोर देता है, जिसे ध्यान के जरिए प्राप्त किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य आत्म-चेतना पर केंद्रित वैश्विक संस्कृति स्थापित करना है, जिसमें शरीर के बजाय आत्माओं के रूप में पहचान की धारणा को महत्व दिया जाता है।

इस शिखर सम्मेलन में आध्यात्मिकता, जागरूकता, और मानवता की सेवा के कई पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जो कि एक स्वस्थ और समर्पित समाज की स्थापना के लिए जरुरी है।

बाढ़-बारिश से जूझ रहा नेपाल.....पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की

नई दिल्ली । भारत का पड़ोसी देश नेपाल इन दिनों भारी बारिश और बाढ़ से परेशान है। अब तक नेपाल में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 29 लोग लापता है। इस संकट में भारत ने नेपाल को मदद की पेशकश की है। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल को राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों में सहायता देने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश देकर आश्वासन दिया कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी (शर्मा) ओली को लिखे पत्र में लिखा है, भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है, हम नेपाल सरकार द्वारा राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए आवश्यक हर संभव सहायता देने के लिए भी तैयार हैं। बता दें कि सितंबर के आखिरी सप्ताह में हो रही भारी बारिश के बाद, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने बागमती और कोशी के विभिन्न स्थानों पर संभावित भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिसमें लोगों से यात्रा करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। दुनिया की दस सबसे ऊंची चोटियों में से नौ का घर नेपाल ने पहले ही इस साल औसत से ज़्यादा बारिश की आशंका जाहिर की थी, जिससे 1.8 मिलियन लोगों के प्रभावित होने की आशंका थी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने अनुमान लगाया है कि मानसून से संबंधित आपदाओं से 412,000 परिवार प्रभावित हुए। नेपाल में मानसून का मौसम आमतौर पर 13 जून को शुरू होता है, जबकि इसकी समाप्ति तिथि पारंपरिक रूप से 23 सितंबर होती है। हालांकि, इस साल मानसून अक्टूबर के आखिर तक बढ़ा दिया गया है।

रतलाम में बेपटरी मालगाड़ी से लोगों ने डीजल लूटा, वीडियो वायरल

रतलाम।

मध्य प्रदेश के रतलाम में 3 अक्टूबर की रात को एक बड़ी घटना घटित हुई, जब नागदा की ओर जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना के बाद डीजल भरे हुए डिब्बे पलट गए, जिससे डीजल बहने लगा। जैसे ही स्थानीय लोगों को इस घटना की सूचना मिली, बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे और डीजल भरने के लिए केन और बाल्टियों का इस्तेमाल करते हुए डीजल लूटने लगे। इस दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

यह घटना रतलाम-रतलाम ई केबिन के बीच केएम 655/10-12 पर हुई, जिसके कारण दिल्ली-मुंबई डाउन लाइन प्रभावित हुई, जबकि अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन जारी रहा। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और डिरेल हुए डिब्बों को रिरेल करने का कार्य शुरू किया। सौभाग्यवश, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। डाउन लाइन को 4 अक्टूबर, 2024 को

सुबह 10 बजे तक मरम्मत कर पूरी तरह से चालू कर दिया गया है, और ट्रेनों का परिचालन कॉशन आर्डर के साथ किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। कुछ लोगों ने इसे आपातकालीन स्थिति में जीविका का साधन मानते हुए डीजल इकट्ठा करने का कार्य किया, जबकि रेलवे प्रशासन ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया है और आवश्यक कार्रवाई करने की बात भी कह रहा है। इस घटना ने एक बार फिर से रेलवे पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस : शाह

नई दिल्ली ।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में वोटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 5,600 करोड़ के ड्रग्स के कांग्रेस कनेक्शन पर बड़ा आरोप लगाकर कहा है कि एक ओर जहां केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधकर दावा किया कि उनकी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद को देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए काम करेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा, एक ओर जहां मोदी सरकार

नशा मुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर चल रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 रुपए करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

शाह ने ड्रग्स के कारण पैदा हुए हालात और कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाकर कहा कि, कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी।

भारत 2047 में विचारों, प्रौद्योगिकी और संस्कृति का केंद्र बनेगा

-वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- पूरी दुनिया में आएगी समृद्धि

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्रता के 100 साल पूरे करने पर 2047 तक भारत में विकसित देशों के समान सभी मुख्य विशेषताएं मौजूद होंगी। उन्होंने यह बात कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। सीतारमण ने कहा कि यदि हम उपमहाद्वीप के सभ्यतागत इतिहास को देखें तो भारतीय युग कोई नई घटना नहीं है। एक हजार साल से भारत ने दर्शन, राजनीति, विज्ञान और कला का एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया है। यह विजय के जरिए से नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक भव्यता के जरिए से सीमाओं के पार फैला। उन्होंने कहा कि भारत 2047 में विचारों, प्रौद्योगिकी और संस्कृति के जीवंत आदान-प्रदान का केंद्र बनेगा, जिससे न केवल भारतीयों बल्कि पूरी दुनिया में समृद्धि आएगी।

उन्होंने भारत के हाल के आर्थिक प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें भारत का 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और उच्च विकास दर बनाए रखना शामिल है। सीतारमण ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को अर्थशास्त्र और वित्त के नीति विशेषज्ञों के लिए एक अहम मंच बताया और कहा कि नीति निर्माण में मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों की सोच की जरुरत है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने भारत की युवा आबादी को भी बहुत अहम बताया, जिसका उत्पादन, बचत और निवेश में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत को यह तय करना चाहिए कि युवा सुसज्जित, भावनात्मक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से स्वस्थ हों, जो कि एक मुख्य नीतिगत प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें कहा गया कि यह प्रणाली संकट प्रबंधन, विनियामक और शासन मानकों के मामले में विकसित वित्तीय बाजारों के बराबर है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत का बैंकिंग क्षेत्र परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार, बेहतर प्रावधान और बढ़ती लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 2024 के बजट में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए 1200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं और शिक्षा जगत, निजी क्षेत्र सहयोग से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान कोष की स्थापना की गई है।

अभिनेता गोविंदा अस्पताल से हुए डिस्चार्ज, प्रशंसकों का किया धन्यवाद

मुंबई। अभिनेता और शिवसेना नेता गोविंदा को शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। गोविंदा एक हादसे का शिकार हो गए थे, जिसमें उनकी अपनी रिवॉल्वर से उनके पैर में गोली लग गई थी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद गोविंदा की हालत स्थिर बनी रही, और उन्हें चिकित्सकों ने उपचार दिया। अस्पताल में रहते हुए उन्होंने अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त की और प्रशंसकों की प्रार्थनाओं के लिए आभार प्रकट किया है। अस्पताल से बाहर आते समय गोविंदा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं सभी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मेरे लिए दुआएं कीं। विशेष रूप से अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे लिए इतनी दुआएं कीं। उनके प्यार के लिए मैं तहे दिल से उनका शुक्रगुजार हूं। गोविंदा को लेकर उनके प्रशंसक बहुत चिंतित थे । अब वह ठीक हैं और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। प्रशंसकों ने उनके जल्द ठीक होने की कामना की है और सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन में संदेश भेजे हैं।

एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह हाजिर हों... दिल्ली पुलिस ने किया तलब

मुंबई । बिग बॉस ओटीटी-1 विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के साथ-साथ कॉमेडियन भारती सिंह को दिल्ली पुलिस ने तलब किया है। पुलिस इन दोनों के अलावा तीन अन्य व्यक्तियों से भी जानकारी जुटाएगी। दिल्ली पुलिस को हिबॉक्स नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन से जुड़ी 500 से अधिक शिकायतें मिली हैं, इसमें इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एप्लिकेशन का प्रचार कर लोगों को इसमें निवेश के लिए प्रेरित किया। घोटाले के मुख्य आरोपी, चेन्नई निवासी शिवराम, को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी के अनुसार, हिबॉक्स एक सुनियोजित घोटाले का हिस्सा था, जिसमें आरोपी ने एप के द्वारा प्रतिदिन 1 से 5 प्रतिशत और महीने में 30 से 90 प्रतिशत तक के गारंटीशुदा रिटर्न का वादा किया। फरवरी 2024 में लांच होने के बाद, 30,000 से अधिक लोगों ने एप में पैसे का निवेश किया। हालांकि, जुलाई माह में एप ने विभिन्न तकनीकी और कानूनी मुद्दों का हवाला देकर भुगतान रोक दिया। पुलिस ने मास्टरमाइंड शिवराम के चार अलग-अलग बैंक खातों से 18 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, जो घोटाले की गंभीरता को दिखाता है। इसके पहले, भारती और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया को साल 2020 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गिरफ्तार किया था, जब उनके घर से 86.5 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। वहीं, एल्विश यादव पिछले दिनों विवादों में रहे हैं, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त की थीं।

सोमनाथ मंदिर के आसपास बुलडोजर कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार मांगा जवाब

अहमदाबाद । सुप्रीम कोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना की गई है तो अधिकारियों को जेल जाना पड़ेगा। साथ ही अगर बुलडोजर की कार्यवाही गलत पाई गई तो सरकार को उसे दोबारा बनवाना होगा। बता दें कि गिर सोमनाथ स्थित सोमनाथ मंदिर के आसपास के अतिक्रमणों पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्यवाही की थी। प्रशासन की इस कार्यवाही के खिलाफ पटणी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी। जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 17 सिंबर के आदेश की अवमानना करने का उल्लेख किया गया था। साथ ही गिर सोमनाथ के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने की मांग की गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना हुई होगी तो हम उसे पुनर्स्थापित करने का आदेश देंगे। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को जेल भी भेजेंगे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की यथास्थिति बनाए रखने की मांग खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह सरकार की जमीन है और इस पर कार्यवाही का काम 2023 से चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गुजरात सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

बाप रे बाप.... अक्टूबर में राजस्थान में पारा 41 के पार

-14 साल में दूसरी बार हुआ

जयपुर । राजस्थान में मानसून जाने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है। गंगानगर में गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ऐसा पिछले 14 साल में दूसरी बार हुआ है, जब तापमान अक्टूबर में 40 के पार चला गया हो। जयपुर, पिलानी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर सहित कई शहरों में मौसम साफ रहने, धूप निकलने से गर्मी तेज हो गई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर की ओर से अगले 2 दिन राज्य में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है। मौसम विशेषज्ञों के दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान (उदयपुर, जालौर के आसपास) के ऊपर एक एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इस कारण पश्चिमी हिस्से (पाकिस्तान की तरफ) से सूखी और गर्म हवा आ रही है। इसके कारण राज्य के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिन में तापमान में थोड़ी और बढ़ोतरी हो सकती है।

हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना, बोले- 2 लाख पक्की नौकरियां देगी कांग्रेस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी, अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विजय संकल्प यात्रा के दौरान लोगों के साथ अपने अनुभव और बातचीत साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% का सहारा लिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फैलाई गई बेरोज़गारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है।

राहुल ने हरियाणा के निवासियों के साथ अपनी बैठकों का विवरण दिया, जिन्होंने अपनी यात्रा के दौरान घर की बनी रोटियाँ साझा कीं और उन्हें राज्य की जटिल समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की फैलाई बेरोज़गारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। हरियाणा की कुछ बहनों ने विजय संकल्प यात्रा के दौरान आश्रय दिया, बहुत प्यार से घर की रोटी खिलाई और साथ ही प्रदेश की जटिल समस्याएं समझाईं। आज, भारत में सबसे अधिक बेरोज़गारी हरियाणा में है। इसका कारण है - भाजपा ने एक दशक में प्रदेश के युवाओं को रोज़गार देने वाली हर प्रणाली की रीढ़ तोड़ दी है।

राहुल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि गलत तस्ज्ञ और नोटबंदी से छोटे व्यापारों की कमर तोड़ दी। अग्निवीर से सेना की तैयारी करने वाले युवाओं का हौंसला तोड़ा। काले कानूनों से कृषि व्यापार करने वालों की हिम्मत तोड़ी। इसके साथ ही उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि खिलाड़ियों से समर्थन छीनकर उनका सपना तोड़ा। परिवार पहचान पत्र से सरकारी भर्ती रोककर परिवारों को तोड़ा। इसका असर बताते हुए उन्होंने कहा कि नशे के गिरफ्त में युवा हुनर बर्बाद हो रहा है। निराश नौजवान अपराध की राह पकड़ रहे हैं। डंकी जैसे खतरों के सफर से तबाह होते परिवार। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में आने वाली कांग्रेस सरकार 2 लाख पक्की नौकरियों की भर्ती करेगी और हरियाणा को नशा मुक्त बनाएगी। हरियाणा की बहनों को वचन दिया है कि इस तबाही को रोकूंगा, उनके बच्चों की रक्षा करूंगा - रोज़गार वापस आएगा, और हर परिवार खुशहाल होगा।

जेलों में जातिगत भेदभाव पर रोक जरूरी : मायावती

लखनऊ । बसपा सुप्रीमों मायावती ने सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है, जिसमें जेलों में जातिगत भेदभाव को अनुचित और असंवैधानिक बताया गया है। उन्?होंने सोशल मीडिया एक्?स पर पोस्?ट किया कि देश की जेलों में भी क्रूर जातिवादी भेदभाव के तहत कैदियों से जातियों के आधार पर उनमें काम का बंटवारा कराने को अनुचित व असंवैधानिक करार देकर इस व्यवस्था में जरूरी बदलाव करने का माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भरपूर स्वागत। परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है। अत: मजलूमों के लिए अब सत्ता प्राप्त करना ज़रूरी। उन्?होंने आगे लिखा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है।

बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल से मिली बम की धमकी, हाई अलर्ट पर पुलिस

बेंगलुरु । बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे परिसर में दहशत फैल गई। पुलिस ने कहा कि धमकियों की सूचना शुक्रवार दोपहर को दी गई, जो बाद में अफवाह निकली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बसवनगुड़ी में बेंगलुरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और सदाशिवनगर में एमएस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को दोपहर करीब 1 बजे ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। जल्द ही, कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को सूचित किया, जो बम निरोधक और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची। गहन जांच के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि यह एक फर्जी ईमेल था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण डिवीजन) लोकेश बी जगलासर ने एक बयान में कहा कि (मेल के) स्रोत का पता लगाने के लिए हनुमंत नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी जैसे ही अभिभावकों को हुई तो वे अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी लेने के लिए कॉलेजों के सामने जमा हो गए।

पीएम मोदी ने 10 वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की : तरुण चुघ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 10 वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, इन पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों के जीवन में सुधार लाकर उनकी आय बढ़ाना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुघ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, युवा, महिला और किसान जैसे चार महत्वपूर्ण वर्गों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने हाल ही में की गई घोषणाओं के माध्यम से इन वर्गों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। चुघ ने कहा कि किसानों के प्रति पीएम मोदी का समर्पण कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना जैसी पहलों में दिखाई देता है। ये योजनाएँ ऐतिहासिक और सराहनीय कदम हैं। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के तहत 1 लाख करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है, जो फसल की कीमतों, उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा।

दरअसल 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ पहुँचाने के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी गई। पहली योजना है पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और दूसरी कृषि उन्नति योजना। इन योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए केंद्र ने 1,321 करोड़ खर्च करने का निर्णय लिया है। मोदी सरकार का मानना है कि इन योजनाओं के लागू होने से किसानों को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण लाभ होगा। इसके साथ ही, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल को भी मंजूरी दी गई है, जिसके लिए 10,103 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। केंद्र ने 2031 तक खाद्य तेल उत्पादन को 20.2 मिलियन टन बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

टीएमसी के गुड़ों ने पूर्व सांसद सिंह के घर पर फेंके देशी बम: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता (एजेंसी)। बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के भाटपाड़ स्थित आवास पर अज्ञात हमलावरों ने देशी बम से हमला किया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता सरकार की पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पार्टी पर हमले का आरोप लगाया है। वीडियो में हमलावरों की भीड़ को एक घर की ओर बम फेंककर भागते हुए देखा जा सकता है, और यह फुटेज उसी घर की छत से शूट हुआ है।

अर्जुन सिंह ने पोस्ट कर लिखा कि सुबह, जब सभी नवरात्रि की पूजा में व्यस्त थे, तब टीएमसी के गुंडों ने मेरे कार्यालय-सह-निवास पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय टीएमसी पार्षद के बेटे नमित सिंह के संरक्षण में हमला हुआ और पुलिस ने मूकदर्शक बनकर कुछ नहीं किया। पूर्व सांसद ने बताया कि हमलावरों ने करीब 15 बम फेंके और एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं।

बीजेपी नेता अधिकारी ने राज्य के राज्यपाल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, गृह मंत्रालय और भाजपा पार्टी को टैग कर कहा, हमेशा की तरह पुलिस मूकदर्शक बनी रही और अपराधियों को रोकने के लिए कुछ खास नहीं किया। वीडियो फुटेज अपराधियों की पहचान करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बंगाल पुलिस इस मामले में सक्रियता दिखाकर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी।

हमले के बाद, पूर्व सांसद सिंह ने एक दूसरा वीडियो भी साझा किया, जिसमें कई लोग उनके घर पर कुछ फेंकते दिख रहे हैं। घटना ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है, और इससे साफ है कि राज्य की सुरक्षा स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

कुमारी शैलजा को अब भी मुख्यमंत्री पद की आस, मगर कांग्रेस तय कर चुकी है भूपेंद्र हुड्डा का नाम ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में चल रही आंतरिक कलह के बीच पार्टी की राज्य में सबसे बड़ी दलित नेता और सांसद कुमारी शैलजा ने दावा किया है कि अगर राज्य में पार्टी सरकार बनती है। तो, मुख्यमंत्री पद का फैसला पार्टी आला कमान करेगा। हालांकि, उनके इस बयान में ज्यादा उम्मीद नजर नहीं आ रही है, क्योंकि राज्य में भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिस प्रकार से प्रचार में जुटे हुए हैं उसको देखकर स्पष्ट कहा जा सकता है कि पार्टी आला कमान पहले ही अपने मुख्यमंत्री पद का चुनाव कर चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक, 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में लगभग 70 से अधिक टिकटें भूपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थकों को मिली हैं। पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार भी राज्य में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम पर ही वोट मांग रहे हैं। इस चुनाव को लेकर पूरे हरियाणा में पार्टी के प्रमुख चेहरे के तौर पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ही पेश किया गया है। हर जगह उनकी फोटो वाले बैनर और प्रचार सामग्री भी लगी है। तो वहीं, कुमारी शैलजा की फोटो वाले बैनरों की संख्या नाममात्र की ही है। इसके साथ पार्टी की बड़ी-बड़ी रैलियां से भी ,सांसद कुमारी शैलजा ने खुद को पार्टी लाइन से दूर ही रखा है।

जिससे स्पष्ट तौर पर संकेत मिल रहे हैं कि उनके मुख्यमंत्री पद के लिए दावा बहुत कमजोर है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव से पहले सरकार गठन के लिए निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ भी जोड़ तोड़ करने की राजनीति पहले से ही शुरू कर दी है। जिससे अगर सरकार बनाने में उनका समर्थन मांगना पड़े तो वे विधायक कांग्रेस का समर्थन करने से भी पीछे ना हटें। तो वहीं, कुमारी शैलजा राजनीति के इस पहलू से कम ही वाकिफ नजर आती हैं।

कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने इस दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अपनी सीट पर कैंपेन करने के साथ-साथ अन्य जगहों पर भी प्रचार किया है और वह सभी सीटें कांग्रेस जीतने में सफल भी रही है और अब राज्य में बदलाव की लहर चल रही है। जिससे कांग्रेस पार्टी की सरकार बनना तय है। सांसद शैलजा ने बताया कि इस चुनाव में पार्टी के सभी नेता पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। पार्टी के आंतरिक मतभेदों पर उन्होंने कहा कि यह सब

हमारे परिवार का आपसी मामला है जिसे हम आपस में बैठकर सुलझा रहे हैं। संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि मुख्यमंत्री पद का फैसला पार्टी हाई कमान ही करेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: एमवीए गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं ओवैसी

-एआईएमआईएम ने भेजा प्रस्ताव, महा विकास अघाड़ी ने नहीं लिया फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम पार्टी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के गठबंधन में शामिल होने कोशिश कर रही है। अगर एआईएमआईएम एमवीए में शामिल हो जाती है, तो यह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि उद्धव गुट एआईएमआईएम के शामिल होने का विरोध कर रहा है।

शिवसेना ने कहा है कि एमवीए में पहले से ही कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी, शेतकारी कामगार पक्ष और रिपब्लिकन संगठन जैसे कई दल शामिल हैं। ऐसे में नई पार्टी के लिए वर्तमान परिस्थितियों में कोई जगह नहीं है। एआईएमआईएम ने कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को गठबंधन बनाने का लिखित प्रस्ताव भेजा है, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव को न तो स्वीकार और न ही अस्वीकार किया गया है। यदि एआईएमआईएम को शामिल करने पर एमवीए में सहमति नहीं बनती, तो पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच, एआईएमआईएम ने एमवीए को 28 सीटों की सूची सौंपी है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। ये सभी 28 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की हैं, या जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एआईएमआईएम ने कहा है कि यदि गठबंधन बनता है, तो वह सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ने को भी तैयार है।

हिमाचल में टॉयलेट टैक्स... विरोधियों ने कहा इतनी गिर गई कांग्रेस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 'टॉयलेट सीट टैक्स' लगाने के विवादों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इस निराधार बताकर कहा कि टॉयलेट टैक्स जैसा कोई टैक्स नहीं है। इसका राजनीतिक लाभ नहीं उठाना चाहिए। सीएम सुखू ने कहा, चुनाव से पहले भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में 5 हजार करोड़ की रेवड़ियां बांटी थी, इसमें उन्होंने मुफ्त पानी के मीटर लगाने का वादा कर कहा था कि पानी का कोई बिल नहीं लिया जाएगा। हमारी सरकार ने प्रति परिवार से 100 रुपये का बिल लेने की बात कही। इसमें ओबेरॉय और ताज जैसे पांच सितारा होटल भी शामिल थे। इसमें वे भी थे जो कर देने की क्षमता रखते थे। टायलेट टैक्स जैसे कोई टैक्स नहीं है।

वहीं, हिमाचल के जल शक्ति विभाग

ने शहरी क्षेत्रों में टॉयलेट के हिसाब से टैक्स लेने की खबरों का खंडन किया। उधर, सुक्खू सरकार के 'टॉयलेट सीट टैक्स' को लेकर सियासी घमासान लगातार देखने को मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हिमाचल सरकार के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा, अविश्वसनीय, अगर सच है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता को जन आंदोलन बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस लोगों से शौचालय के लिए टैक्स वसूल रही है।

सूक्खू सरकार के टॉयलेट पर टैक्स लगाने के फैसले पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने हमला बोला। नकवी ने कहा कि महात्मा गांधी जयंती के मौके पर कांग्रेस सरकार हिमाचल के लोगों को इस तरह का उपहार दे रही है निश्चित तौर पर इससे ज्यादा असंवेदनशीलता नहीं हो सकती है। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी हर घर में फ्री टॉयलेट मिले, चौक चौराहा और चौपालों में फ्री टॉयलेट की व्यवस्था हो, उसके लिए मजबूती के साथ अभियान चला रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी अपने राज्य में टायलेट पर भी टैक्स लगा रही है, यह एक क्रिमिनल एक्ट है, इससे ज्यादा कुछ नहीं है।

रावण की सराहना कर कहा उसे न जलाएं, फिर की धर्म विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी

-डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद फिर आए चर्चाओं में

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने एक बार फिर अपने विवादित बोल से हंगामा खड़ा कर दिया है। उन्होने रावण की जमकर तारीफ की और उसे न जलाने की अपील कर दी। इसके बाद बोले की मैं जो भी बोलने जा रहा हूं उसे चाहें तो रिकॉर्ड कर लें। इसके बाद महंत ने एक धर्म विशेष के खिलाफ बोलना शुरु कर दिए। वीडियो वायरल होने के बाद फिर हंगामा शुरु हो गया। रावण परिवार की तारीफ करते हुए उन्होंने बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। करीब एक सप्ताह पुराना वीडियो सामने आने के बाद जंगल में आग की तरह वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर हजारों लोगों ने यति को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया तो गाजियाबाद पुलिस से तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।दरअसल 29 सितंबर को गाजियाबाद के हिंदी भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। अमर बलिदानी मेजर आसाराम व्याग सेवा संस्थान की ओर से इसका आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में यति नरसिंहानंद भी आए थे। यति ने जब माइक संभाला तो अपने अंदाज में बोलना शुरू किया। उन्होंने मेघनाद, कुंभकरण की तारीफ की तो रावण को लेकर कहा कि उसने छोटी गलती की। यति ने मेघनाद, कुंभकरण और रावण का पुतला ना जलाने की अपील की। इसके बाद वह एक धर्म विशेष पर आपत्तिजनक बातें करने लगे।यति ने कहा, हम हर साल जलाते हैं मेघनाद को, उसके जैसा चरित्रवान व्यक्ति इस धरती पर पैदा नहीं हुआ। हम हर साल जलाते हैं मेघनाद को उसके जैसा वैज्ञानिक योद्धा पैदा नहीं हुआ। उनकी गलती क्या थी, रावण ने एक छोटा सा अपराध किया और आज लाखों साल हो गए हम रावण को जला रहे हैं।रावण परिवार की तारीफ के बाद यति ने उन्हें ना जलाने की अपील की। इसके साथ ही वह धर्म विशेष पर विवादित बातें करने लगे। टिप्पणी से पहले यति ने यह भी सुनिश्चित करना चाहा कि जो वह बोलने जा रहे हैं उसकी रिकॉर्डिंग हो जाए। उन्होंने कहा- कोई रिकॉर्ड कर रहा है या नहीं, कर लेना। पहले भी अपने विवादित बयानों से बवाल करा चुके यति नरसिंहानंद का वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सिहानी गेट पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिणी ताइवान के अस्पताल में लगी आग, कम से कम आठ लोग झुलसे

ताइपेई, एजेंसी। तूफान से प्रभावित दक्षिणी ताइवान में गुरुवार की सुबह एक अस्पताल में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोग झुलस गए। यह आग पिंगटुंग काउंटी में लगी। यह क्षेत्र क्रैथॉन तूफान से बुरी तरह से प्रभावित है। तूफान के कारण यहां भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिलीभारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कुछ इलाके पूरी तरह से ठप हो गए। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दर्जनों मरीजों को अस्पताल से बाहर निकालकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मरीजों को अस्पताल से निकालने और आग बुझाने में दमकलकर्मियों की सहायता के लिए पास के बेस से सैनिकों को तैनात किया गया था। ताइवान के अस्पताल में आग लगने से पहले मंगलवार को बैंकॉक में छात्रों और शिक्षकों को ले जा रही एक बस में आग लग गई। इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। बस में 44 लोग सवार थे। यह लोग मध्य उथाई थानी प्रांत से बैंकॉक स्थित स्कूल जाने के लिए बस में सवार हुए थे, तभी दोपहर के करीब बस में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में पूरी बस आग में घिरी हुई दिखाई दे रही है। यहां तक कि सड़क पर खड़ी बस के बाहर काले धुएं का गुबार उठ रहा है। घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्मी ने परिवहन मंत्री को बताया कि आग संभवत: एक टायर में विस्फोट होने और वाहन के सड़क के अवरोधक से टकराने के बाद लगी।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के 26 मामले सामने आए

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नये मामले सामने आने के बाद इस साल देश में इस बीमारी के मामलों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंध प्रांत के कराची पूर्व और सुजावल जिलों में इन नये मामलों की पुष्टि हुई है। इन मामलों के सामने आने के बाद देश में पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में पोलियो उन्मूलन के लिए क्षेत्रीयप्रयोगशाला द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''कराची पूर्व और सुजावल से इस साल का यह पहला मामला है, जहां पर्यावरणीय नमूनों में हाल के महीनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी देखी गई है। इससे पता चलता है कि यह समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।'' पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''पोलियो का कोई इलाज नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार टीकाकरण से बच्चों को इस ''भयानक'' बीमारी के प्रभावों से बचाया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

मैक्सिको : ग्वाटेमाला सीमा के समीप सेना की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत

ग्वाटेमाला, एजेंसी। ट्रक में सवार अन्य 17 प्रवासियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उसमें कुल 33 प्रवासी सवार थे। आम तौर पर इसी इलाके से प्रवासियों की तस्करी की जाती है, जिन्हें अक्सर मालवाहक ट्रकों में भरकर ले जाया जाता है। मैक्सिको के ग्वाटेमाला की सीमा के समीप एक ट्रक पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत हो गई। रक्षा विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के एक बयान के अनुसार, सैनिकों ने दावा किया कि जब सोमवार देर रात ट्रक और दो अन्य वाहन दक्षिणी राज्य चियापास में हुइक्सटला शहर के समीप उनके तैनाती स्थल के पास पहुंचे तो उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी।

म्यांमार ने 50 हजार से ज्यादा अवैध विदेशियों को निर्वासित किया

यांगून , एजेंसी। म्यांमार ने अक्टूबर 2023 से अगस्त 2024 तक 50 हजार से अधिक अवैध विदेशियों को निर्वासित किया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि इस अवधि के दौरान 28 देशों और क्षेत्रों के कुल 54 हजार 433 व्यक्तियों को स्थापित प्रक्रियाओं के तहत निकाला गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सरकारी समाचार पत्र मिरर के हवाले से बताया कि म्यांमार पुलिस फोर्स डे की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक समारोह में म्यांमार के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि पांच पड़ोसी देशों के साथ बॉर्डर लायसंस ऑफिसेज (सीमा संपर्क कार्यालय) के नेटवर्क की स्थापना का उद्देश्य आगे की जानकारी प्राप्त करने और सीमा पार अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने समय पर सूचना साझा करने और आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए बीएलओ की बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया।

मरने से पहले इजरायल से समझौते पर सहमत था नसरल्लाह- लेबनान के मंत्री का दावा

बेरूत, एजेंसी। इजरायली हवाई हमले में मारा गया हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह अपनी मौत से पहले इजरायल के साथ युद्धविराम चाहता था। लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब ने कहा है कि नसरल्लाह हवाई हमले में मारे जाने के कुछ दिन पहले ही युद्धविराम के लिए मान गए थे। उन्होंने कहा कि अपने युद्धविराम के इस फैसले के बारे में उन्होंने अमेरिकी और फ्रांसीसी प्रतिनिधियों को भी बता दिया था।

सीएनएन को दिए अपने इंटरव्यू में हबीब ने कहा कि हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह 21 दिनों के सीजफायर के लिए मान गए थे। लेबनानी संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने नसरल्लाह से मुलाकात की थी, जिसमें उन्होंने जंग रोकने के लिए अपनी सहमति जताई थी। इसके बाद बेरी ने अमेरिकी और फ्रांसीसी प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी थी कि हिजबुल्लाह युद्धविराम के लिए तैयार है। लेबनानी विदेशमंत्री ने यह दावा किया कि हमें यह सूचना मिली थी कि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी सीजफायर के लिए तैयार हैं, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया और हमारी जमीन पर हमला करना जारी रखा।

दरअसल, 27 सितंबर को हुए इस हमले के पहले न्यूयॉर्क में बाइडन और मैक्रों की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगियों ने मिलकर 25 सितंबर को 21 दिनों के सीजफायर को लेकर अपना प्लान रखा था। लेकिन नेतन्याहू ने इस प्लान को खारिज कर दिया और पूरी ताकत के साथ लड़ाई जारी रखने का आदेश दिया, विशेषज्ञों के मुताबिक पेजर और अन्य संचार संसाधनों में हुए विस्फोट के बाद हिजबुल्लाह बैकफुट पर था, नेतन्याहू नहीं चाहते थे कि उसे संभलने का कोई भी मौका दिया जाए। हमले के वक्त अपने दहियाह के खुफिया बंकर में था नसरल्लाह हबीब ने बताया कि हमले के वक्त नसरल्लाह दहियाह के दक्षिणी इलाके में एक बंकर में था उसी वक्त वह इजरायली हवाई हमले का शिकार हो गए। इससे पहले जब हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की थी तो उनकी तरफ से यह नहीं बताया गया था कि नसरल्लाह की मौत का कारण क्या है। रॉयटर्स के मुताबिक उसके शरीर पर कोई घाव नहीं था, उसके शरीर को देखकर ऐसा लगता है कि विस्फोट की तीव्रता से अंदरूनी चोट की वजह से उसकी मौत हुई।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने दी थी लेबनान छोड़ने की सलाह : रॉयटर्स ने बुधवार को एक रिपोर्ट में बताया था कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इजरायली हमले में मारे जाने के कुछ दिन पहले ही नसरल्लाह को लेबनान से भाग जाने की चेतावनी दी थी। पेजर हमलों में हिजबुल्लाह के सदस्यों की मौत के बाद खामेनेई ने एक दूत के साथ नसरल्लाह को ईरान आने के लिए कहा था,जिसमें खुफिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा गया था कि इज़राइल के पास हिजबुल्लाह के भीतर गुर्गे थे और वह उसे मारने की योजना बना रहा था। ईरान के एक अधिकारी ने कहा कि खामेनेई ने दूत के रूप में एक वरिष्ठ ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरुशान थे।

ईरान के परमाणु स्थलों पर इजराइली हमले का समर्थन नहीं करूंगा: जो बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जी-7 नेताओं ने 'ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की' और बाइडन ने अमेरिका की ओर से 'इजराइल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' की बात दोहराई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित स्थलों पर इजराइल के किसी हमले का समर्थन नहीं करेंगे। बाइडन से बुधवार को जब पूछा गया कि ईरान द्वारा मंगलवार को इजराइल पर लगभग 180 मिसाइल दागे जाने के बाद क्या वह इस तरह की जवाबी कार्रवाई का समर्थन करेंगे तो उन्होंने कहा, ''इसका जवाब 'ना' है।'' बाइडन ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब उनके और जी-7 के अन्य नेताओं ने बुधवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों के समन्वय पर फोन पर चर्चा की थी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जी-7 नेताओं ने 'ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की' और बाइडन ने अमेरिका की ओर से 'इजराइल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' की बात दोहराई। इस बीच, अमेरिकी प्रशासन ने संकेत दिया है कि उसने इजराइल से आग्रह किया है कि वह मंगलवार के मिसाइल हमले का जवाब देने में संयम बरते।

वन्यजीव संस्था ने दक्षिणी अफ्रीका में हाथियों को मारने के फैसले का किया विरोध

लुसाका, एजेंसी। जाम्बिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण निकाय अफ्रीकन रिवर्स ने दक्षिणी अफ्रीकी देशों में हाथियों को मारने की योजना का विरोध किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संगठन ने यह स्वीकार करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की घटनाओं का न केवल लोगों पर बल्कि वन्यजीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा जंगली जानवरों को मारने का प्रस्ताव लाया जा रहा है,जो मानव और वन्यजीव कल्याण के लिए सही नहीं है। अफ्रीकन रिवर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबसन सिकला ने कहा, वन्यजीवों को मारने से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। पशुओं की आबादी कम होने के साथ टूरिज्म में भी घाटा होगा। सिकला ने आगे कहा, हमारा संगठन संबंधित सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर सही उपायों को लागू करने के लिए तैयार है, जिससे 95 प्रतिशत हाथियों और अन्य वन्यजीवों को मारे जाने से बचाया जा सकेगा और सूखे से प्रभावित लगभग 60 प्रतिशत लोगों को भोजन भी मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अफ्रीकी रिवर्स ने इसके लिए 2024-2025 क्षेत्रीय परियोजना विकसित की है, जिसका उद्देश्य हाथियों और अन्य वन्यजीवों को बचाना है। इसके साथ ही दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र में जलवायु-जनित भूख से जूझ रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है। सिकाला ने बताया कि इस परियोजना के जरिए मनुष्यों और वन्य जीवों के लिए उपयुक्त राहत खाद्य पैकेजों के वितरण के साथ प्रभावित क्षेत्रों में जानवरों को पानी की आपूर्ति देने के साथ प्रभावित संरक्षित पार्कों में बोरहोल खोदने और बांध बनाने के लिए देशों को सहायता प्रदान करना शामिल है।

पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में सुधार के दूसरे चरण की शुरुआत की, महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में व्यापक सुधार से जुड़ी परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसमें गिरजाघर में महिलाओं को अधिक जिम्मेदारी वाले पद सौंपने का व्यापक आह्वान किया गया है। पोप फ्रांसिस ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में 368 बिशप और आम लोगों के साथ एक प्रारंभिक धर्म सभा की अध्यक्षता की। ये सभी लोग गिरजाघर के भविष्य पर चर्चा करने और इसे मौजूदा समय में कैथोलिक की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए अगले तीन सप्ताह तक बैठकें करेंगे। पिछले साल धर्मसभा के पहले सत्र के दौरान विरोध और आपत्तियों का सामना करने के बाद, कई सबसे विवादास्पद मुद्दे आधिकारिक तौर पर चर्चा से बाहर हो गए हैं। इनमें एलजीबीटीक्यू+ को पद सौंपे जाने और महिलाओं को डीकन के रूप में सेवा करने की अनुमति देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। पोप फ्रांसिस ने इन विषयों को 10 अध्ययन समूहों को सौंपा है जो धर्मसभा के समानांतर काम कर रहे हैं। इन मुद्दों को अध्ययन समूहों को सौंपे जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि जब 26 अक्टूबर को यह धर्मसभा समाप्त होगी और अंतिम प्रस्तावों को फ्रांसिस के समक्ष विचार के लिए पेश किया जाएगा, तो वास्तव में इसमें क्या निकलकर आएगा। फ्रांसिस ने 2021 में सुधार प्रक्रिया शुरू की थी, ताकि एक ऐसा गिरजाघर बनाने के अपने लक्ष्य को अमल में लाया जा सके जो अधिक समावेशी हो।

ट्रम्प के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस ने जीती डिबेट

कहा- ट्रम्प की वजह से दुनिया में शांति आई थी, दोनों ने इजराइल का समर्थन किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले बुधवार (भारतीय समय के मुताबिक) को उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच बहस हुई। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम वॉल्ज और रिपब्लिकन कैंडिडेट जेडी वेंस ने 90 मिनट तक डिबेट की। डिबेट सीबीएस न्यूज ने आयोजित कराई थी।

डिबेट के बाद हुए पोल्स में डोनाल्ड ट्रम्प के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस को जीता बताया गया। छ्व्रक्च यूगॉव पोल के मुताबिक 42त्न लोगों ने वेंस को डिबेट का विजेता माना है। वहीं, 41त्न लोगों ने माना कि टिम वॉल्ज की जीत हुई। 17त्न लोगों ने माना कि मुकाबला बराबरी पर रहा।

BBC के मुताबिक वॉल्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन बाद में उन्होंने अच्छा कमबैक किया। वहीं, कई एक्सपर्ट्स ने कहा कि रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने सीधे शब्दों में अपनी बातें रखीं। उन्होंने वॉल्ज के वादों को लेकर कहा कि अभी डेमोक्रिटक पार्टी की सरकार है। वे जो वादे कर रहे हैं वो उन्हें इस कार्यकाल में पूरा कर सकते थे। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए 5 नवंबर को चुनाव हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों की ये आखिरी डिबेट थी। राष्ट्रपति पद के लिए अब तक दो डिबेट हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पहली बहस के बाद रेस से बाहर हो गए थे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनकी जगह ली और ट्रम्प के साथ दूसरी बहस में हिस्सा लिया था।

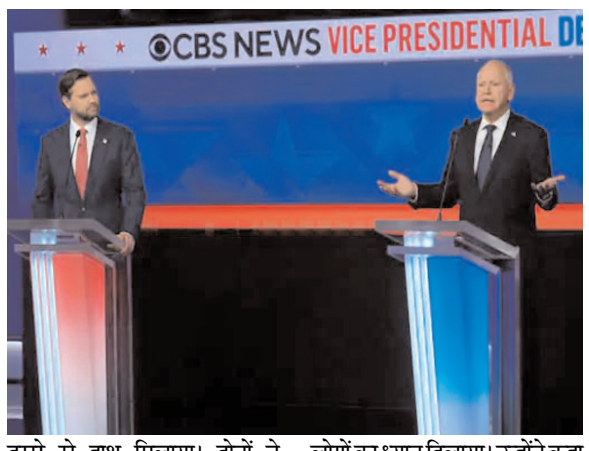

डिबेट से पहले दोनों ने हाथ मिलाया ट्रम्प और बाइडेन के उलट दोनों ही दलों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों ने बहस से पहले एक-

दूसरे से हाथ मिलाया। दोनों ने मिडिल ईस्ट संकट, अमेरिकी इकोनॉमी, अबॉर्शन, हेल्थ केयर, इमिग्रेशन, गन वॉयलेंस, क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर बहस की।

डिबेट के दौरान डेमोक्रेट नेता वॉल्ज ने ट्रम्प की ज्यादा उम्र पर भी लोगों का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि 80 साल के ट्रम्प असली मुद्दे पर ध्यान देने की बजाय भीड़ जुटाने पर ध्यान देते हैं। डिबेट के दौरान दोनों पार्टी के नेताओं ने एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय राष्ट्रपति उम्मीदवारों की आलोचना की।

दोनों उम्मीदवारों ने इजराइल का समर्थन किया डिबेट की शुरुआत मिडिल ईस्ट संकट से हुई। मिनिसोटा गवर्नर वॉल्ज ने कहा कि अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी बनाए रखनी चाहिए और इजराइल के साथ खड़ा रहना चाहिए। डेमोक्रेटिक नेता ने कहा कि कमला हैरिस अपने साथी देशों की अहमियत समझती हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प का अपने सहयोगी देशों को मदद करने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है।

इसके जवाब में रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने कहा कि वॉल्ज के ये आरोप बेबुनियाद हैं। जब ट्रम्प राष्ट्रपति थे तो उन्होंने इजराइल का काफी साथ दिया था। वेंस ने कहा कि हमें अपने सहयोगियों की मदद करनी चाहिए चाहे वे कहीं भी कितनी भी बुरी हालत में क्यों न हों।

सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री को 12 महीने की जेल, भ्रष्टाचार के आरोप में ठहराए गए थे दोषी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को गुरुवार को हाईकोर्ट ने 12 महीने की जेल की सजा सुनाई है। उन्हें लोक सेवक के तौर पर अपने दो व्यापारी मित्रों से सात साल में 403,300 सिंगापुर डॉलर मूल्य के उपहार लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। 24 सितंबर को उन्हें उपहार लेने और न्याय को अवरुद्ध करने के चार मामलों में 62 वर्षीय ईश्वरन को दोषी दोषी ठहराया गया था। सजा सुनाने के दौरान जज विंसेंट हूंग ने कहा कि उन्होंने अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों की ओर से सजा पर विचार किया, लेकिन वे दोनों स्थितियों पर सहमत होने में असमर्थ रहे। जज ने बताया कि पूर्व मंत्री ने उपहार लेकर अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि ईश्वरन ने सार्वजनिक बयान देकर इन आरोपों को झूठा बताया था। जज ने आगे कहा, प्रधानमंत्री को भेजी गई चिट्ठी में ईश्वरन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठ बताया। उन्हें विश्वार था वे रिहा हो जाएंगे। जस्टिस ईश्वरन ने कहा, लोक सेवक के तौर पर पद जितना ऊंचा होगा, दोषी होने का स्तर भी

उतना ही ऊंचा होगा। ईश्वरन के वकील दविंदर सिंह ने आठ महीने से अधिक की सजा न देने की दलीली दी थी। डिप्टी अटर्नी जनरल ताई वी शियोंग ने छह से सात महीने की सजा की मांग की। ईश्वरन के वकीलों ने सजा को सात अक्तूबर तक के लिए टालने और उन्हें उसी दिन शाम चार बजे अदालत में आत्मसमर्पण करने की मांग की। ईश्वरन के पास से बरामद किए गए सामान ईश्वरन पर थिएटर शो, फुटबॉल मैच और सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स, व्हिस्की, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और होटल में ठहरने समेत कीमती सामानों से संबंधित आरोप हैं। इसमें शामिल राशि स्त्रष्ठ 400,000 (स्ष्ठ 300,000 से अधिक) से अधिक है। उसके पास से व्हिस्की और वाइन की बोतलें, गोल्फ क्लब और एक ब्रॉम्पटन साइकिल भी जब्त की गई। ईश्वरन के आरोप प्रॉपर्टी टाइकून ओंग बेंग सेंग और कंस्ट्रक्शन फर्म के मालिक लुम कोक सेंग के साथ उसके संबंधों से संबंधित हैं। हालांकि दोनों व्यवसायियों पर आरोप नहीं लगाए गए हैं। संशोधित किए गए दो आरोपों में ओंग शामिल हैं, जो उस समय सिंगापुर जीपी के बहुसंख्यक शेयरधारक थे। संशोधित आरोपों में यह भी कहा गया है कि ईश्वरन को पता था कि सिंगापुर जीपी के माध्यम से ओंग सुविधा के प्रदर्शन से संबंधित था। सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स 2022 से 2028 के लिए सिंगापुर जीपी और सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के बीच समझौता, और यह ईश्वरन के मंत्री और एफ1 संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक कार्यों से जुड़ा था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मूल आरोपों में कहा गया था कि ईश्वरन ने भ्रष्ट तरीके से ओंग से ये उपहार प्राप्त किए, और ऐसा ओंग के व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के बदले में किया।

कट्टरपंथी इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात

इस्लामाबाद, एजेंसी। कट्टरपंथी इस्लामिक धर्म उपदेशक जाकिर नाइक ने बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें दोनों के चेहरे पर दिख रही मुस्कुराहट बहुत कुछ बयां कर रही है।

बता दें कि जाकिर नाइक सोमवार को पाकिस्तान पहुंचा, जहां उसका जोरदार स्वागत किया गया। वहां उसे जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। उसकी सुरक्षा में पाकिस्तानी रेंजर्स भी तैनात किए गए हैं। वह 28 अक्टूबर तक पाकिस्तान में ही रहेगा। जहां वो कराची, इस्लामाबाद और लाहौर में धार्मिक उपदेश देगा। इस बीच, पाकिस्तान में जाकिर ने भारत में गोमांस को लेकर जारी बहस पर भी अपनी बात रखी।

जाकिर ने कहा, गोमांस खाना फर्ज (धार्मिक संस्कार) नहीं है। ऐसी स्थिति में अगर गोमांस के विरोध में कानून लाया जाता है, तो मुसलमानों को उसका सम्मान करना चाहिए। इस्लामिक शरीयत भी यही हिदायत देती है कि आप जिस मुल्क में रहते हैं, वहां के कानून का पालन करें, जब तक वो कानून अल्लाह के खिलाफ ना हो। मिसाल के तौर पर अगर किसी मुल्क में यह कानून लागू किया जाता है कि आप नमाज अता नहीं कर सकते हैं, तो ऐसी स्थिति में आपको उस कानून का पालन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस्लाम में नमाज पढ़ना फर्ज है। लेकिन, यहां

गौर करने वाली बात है कि इस्लाम में गोमांस खाना फर्ज नहीं है, तो ऐसे में अगर कोई कानून इसके विरोध में आता है, तो आप उसका पालन कीजिए। इसमें कोई हर्ज नहीं है। जाकिर नाइक ने पाकिस्तान में कहा किगोमांस पर प्रतिबंध एक राजनीतिक मुद्दा है क्योंकि इसे हिंदू भी खाते हैं, वो नॉनवेज भी खाते हैं, मटन भी खाते हैं, बीफ (गौमांस) भी खाते हैं, यह उनकी किताबों में लिखा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, गोमांस एक राजनीतिक मुद्दा है। यह कई राज्यों में प्रतिबंधित है। कई देशों में कानून है कि अगर आप गोमांस खाएंगे, तो आपको पांच साल की सजा होगी। सोचिए, अगर आप किसी लड़की के साथ छेड़छाड़ करते हैं, तो आपको तीन साल की सजा होती है, लेकिन अगर आप गोमांस खाते हैं, तो आपको पांच साल की होगी। यह तर्क मुझे समझ में नहीं आता है।

100 नवजात बच्चों का नाम रखा नसरल्लाह, इराक में हिजबुल्लाह चीफ को खास सम्मान

दमिश्क, एजेंसी। हाल ही में लेबनान में एक इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद, इराक में नवजात बच्चों के नाम नसरल्लाह रखने का एक नया चलन देखने को मिला है। इराक के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश भर में लगभग 100 बच्चों का नाम नसरल्लाह रखा गया है। नसरल्लाह पिछले तीन दशकों से आतंकी संगठन हिजबुल्लाह का नेतृत्व कर रहा था। उसे कई लोगों द्वारा इजरायली और पश्चिमी प्रभाव के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक माना जाता था। उनकी लोकप्रियता इराक में विशेष रूप से देश के अधिकांश शिया समुदाय के बीच मजबूत थी।

अब इराक के लोग नसरल्लाह की याद में अपने बच्चों का नाम भी नसरल्लाह ही रख रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे ऐसा प्रतिरोध के शहीद के सम्मान में कर रहे हैं। नसरल्लाह की हत्या ने इराक में गुस्से की लहर पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप बगदाद और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की कार्रवाई की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने नसरल्लाह को धर्म के मार्ग पर एक शहीद बताया। हिजबुल्लाह नेता की याद में तीन दिन का राजकीय शोक मनाया गया, जिसमें देश भर में श्रद्धांजलियां आयोजित की गईं।

नसरल्लाह का इराक से गहरा संबंध है, जो धार्मिक और राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़ा है। उसका जन्म 1960 में साधारण परिवार में हुआ था, और उसने इराक के नजफ शहर में एक

शिया सेमिनरी में इस्लाम की पढ़ाई की थी। यहीं पर उसके राजनीतिक विचारों ने आकार लिया। 1982 में इजरायल के लेबनान में आक्रमण के बाद, हिजबुल्लाह का जन्म हुआ और नसरल्लाह इसमें शामिल हुआ। इस समूह की स्थापना ईरान की क्रांतिकारी गार्ड्स के समर्थन से की गई थी, जो प्रारंभ में इजरायली बलों के खिलाफ एक मिलिशिया के रूप में कार्यरत था।

1992 में अपने पूर्ववर्ती और गुरु अब्बास मुसावी की हत्या के बाद नसरल्लाह ने हिजबुल्लाह का नेतृत्व संभाला। अगले तीन दशकों में, उसने इस समूह को एक क्षेत्रीय शक्ति में बदल दिया, जो सीरिया से यमन तक के संघर्षों पर प्रभाव डाल रहा था और गाजा में फलस्तीनियों को प्रशिक्षण दे रहा था। नसरल्लाह के नेतृत्व में, हिजबुल्लाह की शक्ति ने सैन्य और राजनीतिक दोनों स्तरों पर वृद्धि की। इस संगठन ने हमास जैसे समूहों और इराक और यमन में मिलिशियाओं को मिसाइलें और रॉकेट प्रदान किए, जो इजरायल और उसके सहयोगियों के खिलाफ एक व्यापक प्रतिरोध का धारा का हिस्सा थे।

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं 'स्व' के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों एवं भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपना सेवा कार्य पूरी प्रामाणिकता से बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से करते रहते हैं। वरना, भारत सहित पूरे विश्व में आज ऐसा माहौल बन गया है कि कुछ संगठन जो समाज में सेवा कार्य करते तो बहुत थोड़ा है परंतु उस कार्य का बहुत अधिक प्रचार प्रसार करते हैं। इसके ठीक विपरीत संघ के स्वयंसेवक चुपचाप समाज में अपने ईश्वरीय कार्य को सम्पादित करते रहते हैं, कई बार तो संघ के पदाधिकारियों को भी इस बात का आभास नहीं हो पाता है कि हमारे संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में कोई विशेष सेवा कार्य सम्पन्न किया है। दरअसल, संघ के स्वयंसेवकों को यह संस्कार संघ की शाखा में प्रदान किए जाते हैं। और, इसी प्रकार की कई अन्य विशेषताओं के चलते, आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन कहा जाने लगा है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है - वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 卐हिंदू卐 शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि 'एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए'। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं 卐स्व卐 के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, 'हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है ज्ज यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकरी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।卐

जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ।

स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है। पश्चिमी देशों में जीवन के लक्ष्य का सदैव अभाव रहा है। भौतिक सुख-समृद्धि ही जीवन का मानक बन गया था। इसलिए पश्चिमी देश असंवेदनशील हो गए थे। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद जैसी वैचारिकी इस भौतिकवादी पृष्ठभूमि की उपज रही है। भौतिकता की अंधी दौड़ ने अंततः नाजीवादी, फासीवाद एवं साम्यवाद जैसे विचारों को जन्म देकर पश्चिमी देशों को महायुद्धों की विनाशलीला में झोंक दिया था। स्वामी विवेकानंद जैसे हिंदू चिंतकों द्वारा पश्चिमी देशों में हिंदुत्व के आदर्शों को प्रस्थापित कर उन्हें अंधकार से अलग करने का प्रयास किया गया था। हिंदू आदर्शों का यदि अनुपालन किया जाता तो सम्भवत- मानवीय विनाश के उन दृश्यों को रोका जा सकता था जो विश्व मानव की छाती पर एक भीषण घटित दुर्घटना के चोट के चिन्ह रूप में विद्यमान है। स्वामी विवेकानंद ने जीवन जीने के लक्ष्य एवं मानव संस्कृति के मूल रहस्यों को पश्चिमी समाज के समक्ष उद्घाटित किया था। स्वामी विवेकानंद के प्रयासों से पश्चिमी समाज में हिंदुत्व के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित हुआ था और लोग हिंदू संस्कृति के मूल रहस्यों को जानने के लिए आकर्षित हुए। स्वामी विवेकानंद को हिंदू राष्ट्रीयता का विश्व में प्रथम उद्घोषक कहा जा सकता है। उन्होंने विश्व के समक्ष भारत की मूल्यवान आध्यात्मिक धरोहर को प्रतिष्ठित किया तथा हिंदू धर्म के मूल रहस्यों से विश्व को अवगत कराया। स्वामी रामतीर्थ, महर्षि दयानंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, महात्मा गांधी, डॉक्टर अम्बेडकर, एम एस गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगढ़ी जैसे चिंतकों ने हिंदुओं को चिंतन की एक नयी शैली एवं विधा से सुसज्जित कर हिंदुत्व के पुनरुत्थान का सार्थक प्रयास किया। उक्त हिन्दू चिंतकों ने विश्व समुदाय में हिन्दुत्व के प्रति फैले भ्रम को न केवल दूर करने का प्रयास किया, अपितु हिन्दुस्तान में सनातन संस्कृति के प्रति जो वैषम्यतापूर्ण विचारधाराएं बलवती हो रही थीं उन्हें भी प्रतिबन्धित करने का प्रयास किया। इन विचारकों ने सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए उन समस्त कुरीतियों को दूर करने का आह्वान भी किया।

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासन के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था।

हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षो तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुनः प्रतिष्ठित किया जाए।

संपादकीय

जेल में भी जातिवाद

जेलों में जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। इतनी ही प्रशंसा उस रिपोर्ट या याचिका की भी होनी चाहिए, जिसने सदियों से चली आ रही इस बेशर्म कुप्रथा पर प्रहार का जरूरी साहस दिखाया। हकीकत से वाकिफ न्यायालय का यह एक ऐतिहासिक फैसला है। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने गुरुवार को जेल संहिता में संबंधित प्रावधानों को असांविधानिक घोषित करते हुए जेलों में जाति-आधारित भेदभाव की इस प्रथा को समाप्त कर दिया है। अदालत ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को दोटूक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जेलों में बंदियों को जाति के आधार पर काम या आवास की सुविधा न दी जाए। अदालत ने माना कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जाति के आधार पर किया जाने वाला भेदभाव औपनिवेशिक शासन का अवशेष है। संविधान के तहत सभी कैदियों से समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर जेलों के अंदर होने वाला भेदभाव पूरी तरह अवैध है। यह बहुत आश्चर्य की बात है कि एकाध कानूनों और जेल नियमों में भेदभाव के प्रावधान अब तक दर्ज हैं। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस फैसले के तीन महीने के अंदर अपने जेल नियमों में संशोधन करना होगा। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह जेल मैनुअल 2016 में सुधार करने के साथ ही आदर्श जेल व सुधार सेवा अधिनियम, 2013 में संशोधन करते हुए दर्ज जाति-आधारित भेदभाव को दूर करे। यह बात बहुत चौंकाती है कि विचाराधीन या दोषी कैदियों के रजिस्टर में जाति का कॉलम होता है और जेल अधिकारी ही नहीं, स्वयं कैदी भी जाति देखकर व्यवहार करते हैं। जाति देखकर कैदियों को काम दिया या काम लिया जाता है। अत- जेल में जाति आधारित किसी भी कॉलम को समाप्त करने में ही भलाई है। आगामी वर्षों में जेल अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि जेलों में जाति प्रथा का अंत हो। साफ-सफाई के काम से हर जाति के कैदियों को जोड़ा जाए। काम किन्हीं खास कैदियों पर लादने के बजाय क्रमवार सभी से कराया जाए, ताकि हर किसी को हर तरह के काम का मौका मिले। यह एहसास कैदियों में पैदा न हो कि किन्हीं खास जातियों के कैदी जेलों में ज्यादा आराम फरमाते हैं। वास्तव में, पिछड़ी जातियों के नेताओं को भी भेदभाव के अंत के लिए युद्ध स्तर पर सक्रिय होना चाहिए। सवाल यह भी है कि इस बड़ी समस्या की ओर पहले क्यों इशारा नहीं किया गया? सवाल यह भी है कि क्या भारतीय समाज या भारतीय व्यवस्था में अभी भी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अघोषित रूप से या सामान्य रूप से ही जातिगत भेदभाव की कुप्रथा बेधड़क चल रही है? यह पूरा प्रकरण इस बात का संकेत है कि पिछड़ों के नेताओं को ज्यादा सजग होने की जरूरत है। जेलों में सदियों से जिनका शोषण हो रहा था, क्या उनकी ओर से आवाज उठाने वाला कोई नहीं था? विशेष रूप से सरकारों को अपनी ओर से यह विस्तृत अध्ययन करना चाहिए कि जेलों में गरीबों और विशेष रूप से आदिवासियों की क्या स्थिति है? क्या जेलों में समानता का व्यवहार हो रहा है? बेशक, जहां भी संविधान के अनुरूप समानता या मानवीयता का व्यवहार नहीं हो रहा है, वहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्रता का अतिक्रमण

निगरानी की तार्किकता

डॉ. रिपुदमन गुलाटी

डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है। सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं। निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। निःसंदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं। चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है। जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है। अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ। यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध। सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है। कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है। पैनोप्टिकन प्रभाव एक सामाजिक सिद्धांत है जो यह बताता है कि जब लोग लगातार निगरानी में महसूस करते हैं, तो वे अपने व्यवहार को बदलने और अधिक अनुपालन करने की अधिक संभावना रखते हैं। यह शब्द जेरमी बेंथम द्वारा डिजाइन किए गए एक काल्पनिक जेल से लिया गया है, जहां एक केंद्रीय गार्ड टॉवर से सभी कैदियों को देख सकता था, जबकि कैदियों को यह नहीं पता था कि वे देखे जा रहे हैं या नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब लोग सोचते हैं कि वे निगरानी में हैं, तो वे अपने व्यवहार को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए दबाव महसूस करते हैं। यह प्रभाव सत्ता के एक नये रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह लोगों को नियंत्रित करने और उनके व्यवहार को बदलने के लिए उपयोग किया जा सकता है। निगरानी के लाभ निर्विवाद हैं। इसने अपराध, आतंकवाद और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगरानी प्रणालियों ने अपराधियों की पहचान करने, हमलों को रोकने और बीमारियों के प्रसार को ट्रैक करने में मदद की है। इसके अलावा, उन्होंने ट्रैफिक प्रवाह में सुधार, संसाधन आवंटन का अनुकूलन और सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान दिया है। हालांकि, निगरानी के संभावित नुकसान भी उतने ही घातक हैं। व्यक्तिगत डेटा का बड़े पैमाने पर संग्रह रखना, मुक्त भाषण, संगति और असंतोष पर एक गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह एक निगरानी समाज भी बना सकता है जहां व्यक्ति लगातार निगरानी महसूस करते हैं और अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता में प्रतिबंधित महसूस करते हैं। इसके अलावा, निगरानी का उपयोग भेदभावपूर्ण या दमनकारी उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, विशेष रूप से हाशिए के समूहों के खिलाफ। हाल के वर्षों में निगरानी के सबसे विवादास्पद पहलुओं में से एक सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर निगरानी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन रहा है। इन कार्यक्रमों में फोन कॉल, ईमेल और इंटरनेट खोज जैसे व्यक्तिगत डेटा का व्यापक संग्रह और विश्लेषण शामिल है। जबकि समर्थक तर्क देते हैं कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन यह नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा भी है। निगरानी के लाभों और हानियों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए, स्पष्ट और लागू होने योग्य गोपनीयता कानून स्थापित करना आवश्यक है। इन कानूनों को निगरानी की सीमाओं को परिभाषित करना चाहिए, व्यक्तियों के गोपनीयता के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डेटा का संग्रह और उपयोग नैतिक रूप से किया जाता है। सरकारों को भी अपनी निगरानी गतिविधियों के बारे में पारदर्शी होना चाहिए। सत्ता के दुरुपयोग और निरंकुशता को रोकने के लिए निरीक्षण के अधीन होना चाहिए। कानूनी ढांचे के अलावा, गोपनीयता जागरूकता और शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। व्यक्तियों को अपने अधिकारों को समझने और अपनी गोपनीयता की रक्षा के लिए कदम उठाने के लिए सशक्त होना चाहिए। इसमें अपनी ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सचेत रहना, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के बारे में सावधान रहना शामिल है। निःसंदेह, निगरानी के युग में जीवन और स्वतंत्रता को संतुलित करना एक जटिल चुनौती है।

(चिंतन-मनन)

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदर्शक है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

विचार मंथन

भारत की जेलों में 76 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी वर्षों से बंद

(लेखक-सनत जैन)

- गरीबों को नहीं मिलती जल्द जमानत

भारत की जेलों में कैदियों की स्थिति चिंता का विषय है। हाल ही में जो आंकड़े आये हैं, उसमे भारत की जेलों में 76 फीसदी ऐसे कैदी बंद हैं, जिन पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ है। आरोप के आधार पर उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है। यह कैदी बिना किसी दोष सिद्धि के जेलों में कई वर्षों से बंद हैं। भारतीय न्यायिक और कानूनी प्रणाली की खामियों की चर्चा अब विश्व स्तर पर होने लगी है। भारत में न्यायिक प्रणाली की धीमी गति, जांच में भारी विलंब, न्यायालय में विलंब से मुकदमा पेश होना, न्यायालयों में मामलों की सुनवाई और निपटारे में देरी, जमानत देने पर ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट की उदासीनता के कारण भारत की जेलों में लाखों लोग कई वर्षों से बंद हैं। भारत के नागरिकों को संवैधानिक मौलिक अधिकार मिले हैं। उनका भारत में कानूनी रूप से उलंघन हो रहा है। भारत की जेलों में बंद अधिकांश कैदी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं, जिनके पास वकील करने या जमानत राशि भरने के लिए पैसे नहीं होते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में देरी का खामियाजा निर्धन एवं गरीब मध्यम वर्ग के कैदियों को भुगतना पड़ता है। संविधान में वर्णित नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन भारत में हो रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मानव अधिकार के मामले में लगातार रैंकिंग घटती चली जा रही है। ऐसे कैदी, जो वर्षों से जेल में बंद हैं उनकी सुनवाई ट्रायल कोर्ट में भी पूरी नहीं हुई है। ट्रायल कोर्ट से उन्हें जमानत भी नहीं दी गई है। जेलों में बंद कैदियों के ऊपर दोष साबित नहीं हुआ है। इसके बाद भी जेलों में उन्हें वर्षों तक बंद रखना, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुला हनन है। न्यायपालिका स्वयं नागरिकों के अधिकारों पर ध्यान नहीं दे रही है। जिसके कारण अब कहा जा रहा है कि भारत की न्याय प्रणाली में अब सुधार की आवश्यकता है। भारत में सबसे पहले, जमानत प्रणाली को सरल और सुलभ बनाने की जरूरत है। ताकि गरीब और कमजोर वर्गों को इसका लाभ मिल सके। जिन मामलों में गंभीर अपराध के आरोप नहीं हैं, उनमें तुरंत जमानत दिए जाने पर विचार होना चाहिए। जमानत को नागरिकों के अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। जांच एजेंसी द्वारा एक निश्चित समय सीमा पर जांच करने की बाध्यता हो। निश्चित समय पर न्यायालय में चार्ज शीट पेश हो। अदालती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अदालतों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करके छोटे और गैर-गंभीर मामलों का त्वरित निपटारा किया जाना चाहिए। जेल सही मायने में सजायाफ्ता कैदियों के लिए होती है। या उन अपराधियों के लिए होती है, जो समाज के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। जेलों की स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास जरूरी हैं। जेलों में बंद कैदियों के लिए उचित चिकित्सा, भोजन, मानसिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत के जेलों की प्रशासनिक व्यवस्था बहुत खराब है। यहां पर क्षमता से तीन गुना ज्यादा कैदी जेलों में बंद हैं। इन्हें पर्याप्त खाना और प्राकृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जेल के अंदर जद्दो-जेहद करनी पड़ती है। कैदियों को जेल मे पुनर्वास और कौशल विकास के अवसर नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण जेल से बाहर निकलकर वह समाज और परिवार में फिर से अपनी जगह बना सकें। जेलों को केवल सजा देने का स्थान नही माना जाना चाहिए। जेलों को सुधार केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। कैदियों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें न्याय दिलाने की प्रक्रिया को तेज करना, न्याय व्यवस्था और मानवाधिकार दोनों के लिए आवश्यक हैं। जब तक न्यायिक प्रणाली में सुधार नहीं किया जाता। भारत में मानव अधिकारों की रक्षा करना संभव ही नहीं है। ब्रिटेन जैसे देश में बिचाराधीन कैदियों की संख्या मात्र 18 फ़ीसदी है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों द्वारा जमानत के मामले में विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। यदि आरोपी को जमानत देने से समाज के बीच में कोई खतरा न हो। ऐसे आरोपियों को तुरंत न्यायालय द्वारा जमानत दी जाती है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों में सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित समय पर पूरी की जाती है। वहां की जांच एजेंसियाँ समय पर जांच करके न्यायालय में मामला प्रस्तुत करती हैं। भारत में जब अंग्रेजों का शासन था, तब भी यहां विचाराधीन कैदियों को 90 दिन से ज्यादा जेल में रखने का प्रावधान नहीं था।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

> टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं।

⊙**भूमि-** टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी :-** प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में :-** पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दर:-** देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी):-** वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार :-** बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय :-** खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण :-** क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरण:-** कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा :-** गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई :-** टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई :-** टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग :-** वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी.सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना :-** ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई :-** टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल :-** टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फल:-** टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर :-** फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर :-** बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीरक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

भवन निर्माण की लागत पर भी मिलेगा जीएसटी का इनपुट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक बड़ा फैसला दिया है। उस फैसले के अनुसार रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, वाणिज्य,लीजिंग जैसे व्यवसाय मालिकों को बहुत बड़ी राहत मिली है। सफारी रिट्रीटस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है,जीएसटी कानून के तहत इसे प्लांट माना जा सकता है। व्यवसाय के द्वारा भवन निर्माण में की गई निर्माण सामग्री की खरीद पर इनपुट का दावा किया जा सकता है। कोई भी कंपनी माल, गोदाम,रियल एस्टेट,हॉस्पिटल तथा व्यवसाय गतिविधियों के लिए निर्माण कार्य करता है। तो जीएसटी के रूप में का गए कर पर उसे जीएसटी का इनपुट अब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल सकता है। अभी तक इस तरह के निर्माण पर जीएसटी का इनपुट नहीं मिलता था। इस फैसले के बाद अब सभी होटल हॉस्पिटल वेयर हाउस और किराए की गतिविधियां चलाने वाले सभी फर्म को जीएसटी का इनपुट निर्माण कार्य की सामग्री में चुकाये गए,जीएसटी का इनपुट मिल सकेगा।

पिछले 2 साल में अनसिक्योर्ड लोन की एनपीए दर उच्च स्तर पर

अनसिक्योर्ड लोन के डिफाल्टर बढ़े

मुंबई । रेटिंग एजेंसी के डेटा के अनुसार वर्ष 2022-23 में अनसिक्योर्ड लोन मैं 67 फ़ीसदी तथा 2023-24 में 42 फ़ीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है। कोविड महामारी के बाद यह सबसे ऊंची दर है। बैंकों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया था। जिसके कारण अप्रैल से जून 25 की तिमाही में इसमें ज्यादा इजाफा नहीं हुआ। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अपनी ब्रांचो से जो ऋण उपलब्ध कराती हैं। यह सारा अन सिक्योर्ड बिजनेस लोन होता है। फिनटेक कंपनियों के लोन डिफॉल्ट हो जाने से जोखिम बढ़ता चला जा रहा है। यह बिजनेस मॉडल माइक्रो इंटरप्राइजेज पर आधारित है। इसमें 10 लाख रुपए तक के ऋण 25 फ़ीसदी वार्षिक से ज्यादा सालाना ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जाते हैं। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार कर्ज धारकों पर ऋण की राशि लगातार बढ़ती जा रही है। बैंकों को फंसी कर्ज की बड़ी रकम राइटआफ करनी पड़ सकती है। जिसके कारण बैंकों का जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से भारत का चाय उद्योग संकट में

- पश्चिमी एशिया में निर्यात प्रभावित होने की आशंका

तेहरान । ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से भारत के चाय उद्योग पर भी ऐसे वक्त में आशंका के बादल मंडराने लगे हैं जब पश्चिमी एशियाई बाजार में बेहतर कारोबार की संभावनाएं दिख रही थीं। जब इजरायल-हमास विवाद अक्टूबर 2023 में बढ़ा तब चाय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह थी कि इसका प्रभाव पश्चिमी एशियाई देशों तक होगा विशेषतौर पर ईरान पर।परंपरागत तौर पर ईरान भारतीय चाय का एक प्रमुख केंद्र रहा है। उद्योग का कहना है कि इस साल ईरान से काफी अच्छी मांग की गई है। भारतीय चाय निर्यातक संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'पिछले साल ईरान में कारोबार, भुगतान चुनौतियों के चलते प्रभावित हुआ। लेकिन इस साल इस कारोबार में अच्छा-खासा सुधार दिखा। कलकत्ता चाय व्यापारी संगठन (सीटीटीए) के आंकड़ों के मुताबकि उत्तर भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2024 में 288.77 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि वर्ष 2023 में इसकी कीमत 217.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वहीं दक्षिण भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2023 के 147.35 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 164.97 रुपये प्रति किलोग्राम है। एशियन टी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, अगर तनावपूर्ण स्थिति में कमी नहीं आती है तब माल ढुलाई के रास्ते और बीमा पर भी असर पड़ सकता है।

गूगल पे से मिलेगा अब गोल्ड लोन

भारत में अडानी समूह के साथ गूगल की पार्टनरशिप

भारत में मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल की पार्टनरशिप

नई दिल्ली।

टेक कंपनी गूगल पे बड़ी तेजी के साथ भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो कई तरह की सेवाओं को उपलब्ध कराएगी। 3 अक्टूबर को गूगल ने अपने वार्षिक इवेंट में गूगल पे के माध्यम से गोल्ड लोन उपलब्ध कराने की सेवा शुरू कर दी है। इसके लिए मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल पे ने पार्टनरशिप की है। गूगल पे ने लोन लिमिट को 5 लाख रूपये तक बढ़ा दिया है। गूगल इवेंट का यह दसवां साल है। भारत में यह आठ भाषाओं में सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

गूगल और अडानी समूह में पार्टनरशिप

गूगल ने भारत में अदानी समूह के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर विंड हाइब्रिड प्लांट,राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट, कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाने का अनुबंध किया है। गूगल 2026 तक भारतीय ग्रिड में 186 मेगावाट की न्यू क्लीन एनर्जी, जेनरेशन कैपेसिटी से जुड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

एआई में गूगल का धमाका

गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो भारतीय युवाओं के लिए नौकरी के लिए विभिन्न किस्म के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर आ रहा है। यूट्यूब, गूगल, क्लाउड स्किल्ड प्रोग्राम फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रशिक्षण कोर्स अंग्रेजी तथा 7 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में गूगल कम कर रहा है।

गूगल ऑनलाइन पेमेंट

भारत में गूगल अपनी ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए हर स्तर पर हाथ पैर मार रहा है। यूपीआई सर्कल के जरिए वह भारतीय उपभोक्ताओं तक सीधा जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

2030 तक 33 लाख करोड़ का लक्ष्य

गूगल इंडिया के एमडी का कहना है, वह एआई के माध्यम से वर्ष 2030 तक भारत में 33 लाख करोड रुपए के आर्थिक लेनदेन के लक्ष्य के लिए काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की सेवाओं का विस्तार अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में करने की योजना गूगल ने तैयार की है।

गूगल भारत में सबसे बड़ा प्लेयर बनने के लिए भारत की छोटी कंपनियों के साथ भागीदारी सिस्टम को विकसित कर रहा है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका गूगल के यूपीआई की होगी।

मार्क जकरबर्ग ने जेफ बेजोस को संपत्ति मामले में पीछे छोड़ा

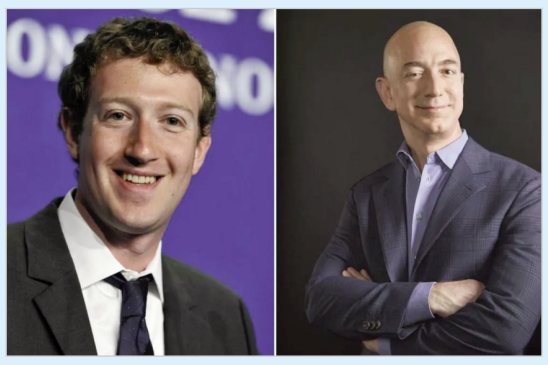

वाशिंगटन । मार्क जकरबर्ग ने संपत्ति के मामले में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार गुरुवार को जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि से वे संपत्ति के मामले में अमेजन के बेजोस से 1.1 बिलियन आगे निकल गए। अब इस मामले में उनसे आगे केवल टेस्ला के एलन मस्क है। जिनकी संपत्ति जकरबर्ग से लगभग 50 बिलियन डॉलर अधिक है।मेटा के शेयरों में दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री के आंकड़े और एआई चैटबॉट को शक्ति देने वाले बड़े भाषा मॉडल की दिशा में कदम बढ़ाने के बाद 23 फीसदी की वृद्धि आई। कंपनी के शेयर गुरुवार को 582.77 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 800 , निफ्टी 200 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी बाजार में गिरावट बनी रही। इसका कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होना है। आज सुबह बाजार बाजार लाल निशान पर खुला और ये गिरावट समय के साथ ही बढ़ती रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 808.65 अंक करीब 0.98 फीसदी नीचे आकर 81,688.45 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200.25 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,049.85 के स्तर पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष से उपजी चिंताओं के कारण भी बाजार गिरा है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो निफ्टी में आज केवल दो सेक्टर ऐसे रहे जो लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। आईटी शेयरों की बात की जाए तो इंफोसिस, विप्रो, कोफोर्ज, और टेक महिंद्रा के शेयरों के बल पर निफ्टी आईटी ने कुल 0.36 फीसदी की बढ़त बनाई। इंफोसिस का शेयर आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहा। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के बैंक के शेयरों में भी कुल 0.54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। आज

निफ्टी पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 2.10 फीसदी उछले। निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 37 नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बीपीसीएल और हीरो मोटोकॉर्प में 3.54 फीसदी तक की गिरावट रही जबकि इंफोसिस, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टाटा मोटर्स और विप्रो उन 13 शेयरों में से थे, जो 1.51 फीसदी की बढ़त के साथ ही लाभ पर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, नेस्ले, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे जबकि भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार में कमजोरी देखने को मिली। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के खतरे ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 252 अंक गिरकर 82,244 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50, 68 अंक की गिरावट के साथ 25,181 पर कारोबार करता दिखा।वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। यह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट और मध्य पूर्व में बढ़ते तनावों के चलते हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 1 प्रतिशत से अधिक गिरा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.09 प्रतिशत नीचे आया, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली बढ़त दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 0.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि कोस्डाक इंडेक्स 0.74 प्रतिशत ऊपर गया।

वेदांता की दूसरी तिमाही में एल्युमीनियम, जस्ता,उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में उसके एल्युमीनियम, जस्ता और लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि हुई है। हालांकि, तिमाही के दौरान इस्पात, विदेशों में खनन धातु और तेल व गैस का उत्पादन घटा। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एल्युमीनियम उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में तीन प्रतिशत बढ़कर 6,09,000 टन हो गया। जिंक इंडिया में बिक्री योग्य धातु उत्पादन 2,41,000 टन से बढ़कर 2,62,000 टन हो गया। जिंक इंटरनेशनल में खनन धातु उत्पादन 34 प्रतिशत घटकर 44,000 टन रह गया, जो दूसरी तिमाही में 66,000 टन था।इस बीच, तेल व गैस उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 1,04,900 बीओईपीडी (प्रतिदिन तेल समतुल्य बैरल) रह गया, जो तिमाही के दौरान औसत दैनिक सकल प्रचालित उत्पादन है, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही के 1,34,100 बीओईपीडी से कम है। विक्रय योग्य लौह अयस्क का उत्पादन एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 12 लाख टन से बढ़कर 13 लाख टन हो गया। कुल बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 2,96,000 टन रह गया तथा बिजली की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 432.2 करोड़ इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-

सितंबर अवधि में 404.7 करोड़ इकाई थी।कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में स्टील मेल्टिंग शॉप की बाधाओं को दूर करने और ऑक्सीजन संयंत्र के रखरखाव के कारण नियोजित बंद के कारण उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। वेदांता लिमिटेड, वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी है। यह भारत, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, लाइबेरिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कोरिया, ताइवान और जापान में फैली दुनिया की अग्रणी प्राकृतिक संसाधन कंपनियों में से एक है। इसका तेल व गैस, जस्ता, सीसा, चांदी, तांबा, लौह अयस्क, इस्पात, निकल, एल्यूमीनियम और बिजली के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिचालन है।

महिंद्रा ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में प्रवेश किया

मुंबई । घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन जियो को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की एक अे धिकारी ने कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है। उन्होंने कहा` कि इस श्रेणी का एक प्रतिशत ही अभी इलेक्ट्रिक है जबकि तिपहिया श्रेणी में यह अनुपात लगभग 20 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इस अनुपात को बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक छोटे वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की जीतो के साथ पहले से ही 14-15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। मिश्रा ने बताया कि कंपनी को इस मॉडल की लगभग 12,000 इकाइयों के ऑर्डर पहले ही मिल चुके हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

भारत में अगले पांच साल में आम आदमी की आय दोगुनी होगी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण को यहां संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा कि जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) के अनुमानों के अनुसार हमें 2,730 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 75 साल लगे, लेकिन इसमें 2,000 अमेरिकी डॉलर और जोड़ने में केवल पांच साल लगेंगे। आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि देखी जाएगी, जो वास्तव में भारतीयों का एक युग होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक खंडित दुनिया में जहां लगातार कई संघर्ष बदतर हो सकते हैं जिससे वैश्विक शांति के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है जो समृद्धि का आधार हैज ऐसे माहौल में अपनी 1.4 अरब की आबादी के लिए कुछ वर्षों में अपनी प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह असमानता में

कमी के साथ हासिल किया जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण भारत के लिए गिनी गुणांक 0.283 से घटकर 0.266 हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 0.363 से घटकर 0.314 हो गया है।

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियां 20 गीगावाट परियोजनाओं के लिए तलाश रहीं खरीदार

नई दिल्ली ।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की करीब 10 अग्रणी कंपनियां 20 गीगावाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए खरीदार तलाश रही हैं। परियोजनाओं में कई तरह की अड़चनों का सामना करने के बाद कंपनियां यह कदम उठा रही हैं। इन अड़चनों में बिजली खरीद करार और बिजली आपूर्ति समझौता नहीं होना तथा ट्रांसमिशन के लिए कनेक्टिविटी से जुड़ी चुनौतियां शामिल हैं। देश में इस समय 150 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार है। जो परियोजनाएं बेचने की कोशिश चल रही है, उनकी क्षमता उद्योग की कुल क्षमता की करीब 13.3 फीसदी है। एक बैंकर ने कहा कि कनाडा की ब्रुकफील्ड भारत में अपनी 1.6 गीगावाट क्षमता बेचने के लिए मलेशिया का एक खरीदार तलाशने में कामयाब रही है। यह परियोजना चालू है और संभावित खरीदार के साथ 1 अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर बातचीत चल रही है। ब्रुकफील्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। बैंकर ने कहा कि रीन्यू पावर भी अपनी सोलर विनिर्माण क्षमता को बेचने की संभावना तलाश रही है। कंपनी इससे मिलने वाली रकम से अपना कर्ज कम करेगी। रीन्यू पावर के प्रवक्ता ने ईमेल के जवाब में कहा कि रीन्यू बाजार में चल रही अटकलों के जवाब में कुछ नहीं कहती। जेएसडब्ल्यू समूह भी एनआईआईएफ और ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट के निवेश वाली कंपनी अयाना रीन्यूएबल पावर का अधिग्रहण करना चाहता है और इसके लिए बातचीत अंतिम दौर में पहुंच गई है। अयाना के पास 5 गीगावाट क्षमता है, जिसमें से कुछ पहले से उत्पादन कर रही है और कुछ निर्माणाधीन है। इस बारे में जानकारी के लिए जेएसडब्ल्यू समूह के प्रवक्ता को ईमेल भेजा गया मगर खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया।

ईवी की बैट्री बदलना अब महंगा सौदा नहीं होगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन की बैट्री बदलना लोगों के लिए अब महंगा सौदा नहीं होगा। इसकी कीमत और कम हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में चल रहे रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया (आरईआई) और बैटरी शो इंडिया में नई-नई तकनीकों का बैट्री कंपनियों ने प्रदर्शन कर रही हैं। बैट्री स्टोरेज 2031-32 तक 47 गीगावॉट तक पहुंचने की तैयारियों को दिखाया गया है। भारत लिथियन-आयन बैटरी के स्वदेशी उत्पादन में के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उम्मीद है कि इससे उत्पादन क्षमता 2030 तक 150 गीगावॉट तक पहुंच जाएगा, जो सेल की कुल मांग का 13 फीसदी हिस्सा कवर करेगा। इसी तरह के लक्ष्यों के साथ बैट्री कंपनियां इस एक्सो में पहुंची हैं। मौजूदा समय देश में 1.6 करोड़ ईवी हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश में 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को 30 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केन्द्र सरकार ने रीन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में 2030 तक 500 गीगावॉट बिजली प्राप्त के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, अगले 5 वर्षों में सालाना 50 गीगावॉट की रीन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 30.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। एक्वे सपो में इन्फोमा मार्केट्स इन इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2024 और बैटरी शो इंडिया, कार्बन फुटप्रिन्ट कम करने और रीन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। सरकार का 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 45 फीसदी तक कम करने के लक्ष्य है।

भारत में एप्पल चार और स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली ।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में चार और स्टोर खोलने पर विचार कर रही है जो पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में स्थित होंगे। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी जल्द अपने पहले 'मेड इन इंडिया' आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स भी पेश करेगी। एप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने दलों का निर्माण कर खुश हैं क्योंकि हम भारत में और अधिक स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं। हम इस देश में अपने ग्राहकों के जुनून से प्रेरित हैं। एप्पल ने अप्रैल 2023 में भारत में अपने पहले दो स्टोर दिल्ली और मुंबई में खोले थे। इस घटनाक्रम से पे रि चित लोगों के अनुसार, नए स्टोर अगले वर्ष खोले जाने की संभावना है।

बयान में कहा गया कि एप्पल अब भारत में आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स सहित सभी आईफोन 16 का विनिर्माण

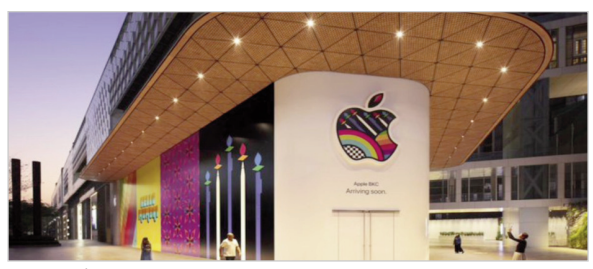

कर रहा है। एप्पल ने 2017 में भारत में आईफोन का विनिर्माण शुरू किया था। बयान में कहा गया है कि भारत में निर्मित आईफोन 16 प्रो और प्रो मैक्स जल्द ही हमारे स्थानीय ग्राहकों के लिए और दुनिया भर के चुनिंदा देशों में निर्यात के लिए उपलब्ध होंगे। सूत्रों के अनुसार मेड-इन-इंडिया आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स की आपूर्ति इसी महीने शुरू होने की उम्मीद है।

विश्व कप जीतकर लगा जैसे नया जीवन मिल गया: रोहित शर्मा

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने गुरुवार को कहा कि इस साल के शुरू में टी20 विश्व कप जीतने के बाद उन्हें लगा कि जैसे नया जीवन मिल गया है। भारत को पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन अमेरिका और वेस्टइंडीज में इस साल खेले गए टी20 विश्व कप में उसने दक्षिण अफ्रीका को हराकर आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लंबे समय से चले आ रहे इंतजार को खत्म किया था।

रोहित की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप में अपने शुरुआती 10 मैच जीते लेकिन अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में वह ऑस्ट्रेलिया की चुनौती से पार नहीं पा सकी।

रोहित ने अहमदनगर में क्रिकेट अकादमी का उद्घाटन करते हुए वहां बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों से कहा,''मैं बहुत अच्छी मराठी नहीं बोलता हूं लेकिन फिर भी प्रयास करूंगा। हमारे लिए विश्व कप जीतना सबसे बड़ा लक्ष्य था। विश्व कप जीतने के बाद मुझे लगा जैसे नया जीवन मिल गया है।''

उन्होंने कहा,''हम यहां अपनी क्रिकेट अकादमी शुरू कर रहे हैं और मुझे उम्मीद है कि यह अकादमी यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी तैयार करेगी।''

भारत की बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच की श्रृंखला में शानदार जीत के बाद रोहित और कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों को टी20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। भारत की टीम इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला खेलेगी और फिर पांच मैच की टेस्ट श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगी जिसका पहला मैच 22 नवंबर से शुरू होगा।

पीसीबी की पोल खुली , वेतन नहीं मिलने के कारण बाबर ने छोड़ी थी कप्तानी

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के एकदिवसीय और टी20 कप्तान बाबर आजम के पद से इस्तीफे का कारण अब सामने आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार बाबर ने पिछले चार महीने से वेतन नहीं मिलने के कारण कप्तानी छोड़ी है। इससे साफ है कि पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खस्ताहाल होता जा रहा है। इसी कारण उसके कई खिलाड़ी अपने वेतन के लिए तरस रहे हैं।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार खिलाड़ियों को पिछले चार महीनों से वेतन नहीं मिला है। जिन खिलाड़ियों को वेतन नहीं मिला है। उसमें बाबर आजम के अलावा शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद रिजवान जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। वहीं महिला टीम को भी वेतन नहीं मिला है। पुरुष टीम को जुलाई से अक्टूबर महीने तक का वेतन नहीं मिली है। इसके अलावा उनकी टीशर्ट पर जिन प्रायोजकों का लोगो होता है उनका भुगतान भी कई महीनों से नहीं हुआ है।

एक रिपोर्ट में कहा गया है कि महिला टीम को 23 महीने का अनुबंध दिया गया था पर उन्हें भी चार महीने का भुगतान भी नहीं दिया गया है। उनका अनुबंध12 महीने बाद रिव्यू किया जाना था लेकिन ये अब तक नहीं हुआ।

इससे पहले बाबर ने कहा था कि वह अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान देना चाहते हैं पर अब सामने आया है कि पीसीबी में मची आंतरिक कलह और वेतन न मिलने से भी बाबर परेशान थे और उनके कप्तान छोड़ने का यही कारण रहा है।

चेहरे के भाव देखकर ही एक दूसरे की बात समझ जाते हैं, मंधाना के बारे में बोली शेफाली

दुबई (एजेंसी)। भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने कहा कि उनका अपनी जोड़ीदार स्मृति मंधाना से इतना जबर्दस्त तालमेल है कि दोनों बल्लेबाजी के दौरान एक दूसरे के चेहरे के भाव देखकर मन की बात पढ लेते हैं। पिछले कुछ वर्ष में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के अच्छे प्रदर्शन के पीछे उसके सलामी बल्लेबाजों की सफलता भी है। शेफाली ने कहा कि उन्हें पता है कि टीम के लिये उनका योगदान कितना महत्वपूर्ण है। शेफाली ने मंधाना के साथ तालमेल के सवाल पर स्टार स्पोर्टस से कहा,'' मैं पिछले दो तीन साल से मंधाना के साथ पारी की शुरूआत कर रही हूं और अब हम बल्लेबाजी के दौरान चेहरे के भाव से ही एक दूसरे के मन की बात पढ लेते हैं। हमें एक दूसरे की ताकत और कमजोरियां पता हैं और हम एक दूसरे को सकारात्मकता देते हैं।''

उन्होंने कहा,'' हमें पता है कि टीम के लिये हम दोनों कितने अहम है खासकर पावरप्ले के दौरान। इसीलिये हम अपने लिये, टीम के लिये और देश के लिये अच्छे प्रदर्शन का प्रयास करते हैं।'' शेफाली ने कहा,'' स्मृति दी की टाइमिंग कमाल की है और उन्हें पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाना आता है। मुझे उनकी यही बात बहुत पसंद है।'' उन्होने कहा कि विश्व कप जीतना कप्तान हरमनप्रीत कौर का सपना है। उन्होंने कहा,'' हरमनप्रीत दी खेल को लेकर काफी जुनूनी है। विश्व कप जीतना उनका सपना रहा है और मैं उम्मीद करती हूं कि उनका यह सपना सच हो जाये। वह महान खिलाड़ी और शानदार कप्तान है जो हमें प्रेरित करती है।

धोनी नहीं दिनेश कार्तिक है टी20 क्रिकेट का बैस्ट फिनिशर: कुमार संगाकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेट दिग्गज और राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की सराहना करते हुए दुनिया भर में टी20 क्रिकेट में उन्हें सर्वश्रेष्ठ फिनिशरों में से एक बताया है। 39 वर्षीय कार्तिक, जिन्होंने जून की शुरुआत में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी, 9 जनवरी से 8 फरवरी तक होने वाले SA20 में भाग लेने वाले पहले भारतीय प्लेयर हैं।

खिलाड़ियों की नीलामी के बाद बोलते हुए संगकारा ने खरीदे गए खिलाड़ियों पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की और कहा कि हमें हमारी पहली पसंद, हमारी पहली पसंद मिल गई। हमारे पास भरने के लिए केवल कुछ स्लॉट थे। नीलामी, हमेशा की तरह ग्रीम (स्मिथ) के साथ) सबसे पहले, यह बहुत आनंददायक था, लेकिन साथ ही, मुझे लगता है कि नियमों और खिलाड़ियों सहित सभी पक्ष इससे खुश होंगे। जोस बटलर के प्रतिस्थापन और जो रूट और कार्तिक को शामिल करने पर चर्चा करते हुए संगकारा ने टीम में उनके महत्व पर जोर देते हुए कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है। जो रूट सिर्फ एक अविश्वसनीय रूप से अनुभवी और सक्षम खिलाड़ी नहीं हैं; वह टीम में जो जोड़ते हैं उसके संदर्भ में ज्ञान, अनुभव और वह खुद को टीम में कैसे निवेश करते हैं और अन्य खिलाड़ियों के साथ कैसे जुड़ते हैं, यह मैंने पहली बार तब देखा जब वह आईपीएल में हमारे साथ जुड़े।

दिनेश कार्तिक का ऐसा रहा है प्रदर्शन

दिनेश कार्तिक ने आईपीएल सहित विभिन्न टीमों के लिए टी20 प्रारूप में 401 मैचों में 136.96 की स्ट्राइक रेट से 7407 रन बनाए हैं। उन्होंने अपना आखिरी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट इस साल के आईपीएल के दौरान आरसीबी के लिए खेला, जहां उन्होंने 14 मैचों में 187.36 की स्ट्राइक रेट से 326 रन बनाकर टीम की प्लेऑफ क्वालीफिकेशन में अहम भूमिका निभाई थी। कार्तिक का भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय करियर शानदार रहा है। वह टीम की आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2007 और आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2013 की जीत का हिस्सा रहे। उन्होंने सभी प्रारूपों में 180 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और स्टंप के पीछे 172 शिकार किए।

हम राष्ट्रीय टीम के लिए प्लेयर तैयार कर रहे : संगाकारा

बहरहाल, पार्ल रॉयल्स टीम में क्वेना मफाका जैसी युवा दक्षिण अफ्रीकी प्रतिभा के बारे में पूछे जाने पर, संगकारा ने कहा कि हमारे पास क्वेना और लुआन-ड्रे प्रिटोरियस है। वह नौसिखिए हैं। महत्वपूर्ण है कि हम उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन लें। हमने न सिर्फ इस टीम के लिए बल्कि राष्ट्रीय टीम के लिए भी खिलाड़ी तैयार करने हैं। आईपीएल में भी हमारा एक समान दर्शन है, जहां हम अपने और राष्ट्रीय टीम के लाभ के लिए खिलाड़ियों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। बता दें कि पार्ल रॉयल्स 11 जनवरी को सनराइजर्स ईस्टर्न केप के खिलाफ अपने टी20 अभियान की शुरुआत करेगी।

विंडीज की शर्मनाक हार, दक्षिण अफ्रीका 10 विकेट से जीती

खेल डैस्क ।दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के एकतरफा मैच में शुक्रवार को वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 118 रन बनाए। स्टीफानी टेलर ने 41 गेंद में नाबाद 44 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए बाएं हाथ की स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा ने कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 29 रन देकर 4 विकेट लिए जबकि मरियाने काप ने 14 रन देकर 2 विकेट चटकाए। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 13 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान लौरा वोल्वार्ट ने 55 गेंद में 59 रन बनाये जबकि ताजमिन ब्रिट्ज ने 52 गेंद में 57 रन जोड़े। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को दबाव में रखा। काप ने हीली मैथ्यूज (10 रन) को विकेट के पीछे लपकवाकर पहला झटका दिया। कियाना जोसेफ को बाएं हाथ की स्पिनर एमलाबा ने 5वें ओवर में बोल्ड किया। वेस्टइंडीज के 3 विकेट 32 रन पर गिर गए थे जब काप ने डिएंड्रा डोटिन (13 रन) को आउट किया। इसके बाद से कैरेबियाई टीम बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रही।

पुरुष और महिला एचआईएल लीग मुकाबले एक साथ रखा जाना सराहनीय कदम : सविता

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान सविता पुनिया ने हॉकी इंडिया की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पुरुष और महिला लीग हॉकी लीग एचआईएल मुकाबले एक साथ रखा जाना एक अच्छा कदम है। हॉकी इंडिया लीग के इतिहास में ये पहली बार है जब इस टूर्नामेंट में पुरुष टीमों के साथ ही महिला टीमें भी भाग लेंगी। इस दौराना दोनो को ही एक बराबर महत्व दिया जाएगा। हॉकी इंडिया लीग इस साल दिसंबर में आयोजित की जाएगी। इस टूर्नामेंट में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें भाग लेंगी। खास बात यह है कि पुरुष और महिला लीग एक साथ खेली जायेगी, जो वैश्विक खेल लीग में एक बड़ा क्षण होगा। सविता ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा, पुरुष और महिला एचआईएल एक साथ चलेंगे, जो ऐसा कुछ है जो मुझे नहीं लगता कि किसी अन्य खेल में पहले हुआ है। हॉकी इंडिया ने हमेशा ही सुनिश्चित किया है कि पुरुष और महिला दोनों टीमों के साथ समान व्यवहार किया जाए। पुरुष और महिला टीमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मैच या प्रतियोगिता जीतती हैं, तो दोनों को ही बराबर पुरस्कार राशि मिलती है। यह हॉकी इंडिया के खेलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के प्रति समर्पण को दर्शाता है। एक खिलाड़ी के रूप में, एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना खुशी देने के साथ ही सशक्त अनुभव कराता है। सविता ने कहा कि महिला एचआईएल से उभरती हुई प्रतिभाओं को एक मंच मिला है। इससे भारतीय हॉकी में एक बड़ा बदलाव आयेगा। युवा महिला एथलीटों के लिए, यह मंच न केवल उन्हें उच्च स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने का मौका देगा, बल्कि खिलाड़ी के रूप में भी सुधार करेगा।

भारत बनाम बांग्लादेश टी20 सीरीज : टीम इंडिया की प्रैक्टिस शुरू, फील्डिंग में बहाया पसीना, पकड़े ट्रीकी कैच

ग्वालियर (मध्य प्रदेश) (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच की तैयारी कर रही है। तैयारी के लिए फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रेयान टेन डोशेट द्वारा आयोजित फील्डिंग ड्रिल में खिलाड़ी पसीना बहाते नजर आए। शुक्रवार को आधिकारिक बीसीसीआई एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में टीम के प्रशिक्षण सत्र को दिखाया गया। ग्वालियर में उज्ज्वल लय और पूर्ण प्रवाह के साथ तैयारी।

टीम इंडिया ने भारत बनाम बांग्लादेश टी20 सीरीज के शुरूआती मैच से पहले अपने क्षेत्ररक्षण कौशल में सुधार किया है।

वीडियो में दिलीप तकनीक के महत्व पर जोर देते हुए भारतीय खिलाड़ियों को निर्देश देते हुए दिखते हैं। उन्होंने कहा कि जहां आप फेंक रहे हैं, वहां अपने पैर जमा लें, यह इतना आसान है। मैं तीव्रता पर ध्यान नहीं दे रहा हूं, लेकिन लय और प्रवाह कुछ ऐसी चीजें हैं जिन्हें हमें आज हासिल करना है। एक बार जब हम इसमें सफल हो जाएंगे, तो हम आगे बढ़ेंगे और 15 कैच लेंगे।

अभ्यास के दौरान ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को महत्वपूर्ण प्रयास करते देखा गया। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों पर कड़ी निगरानी रखी क्योंकि वे क्षेत्ररक्षण अभ्यास में लगे हुए थे। इसके अतिरिक्त, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्पिनर रवि बिश्नोई को कुछ उल्लेखनीय कैच लेते देखा गया। टेस्ट सीरीज़ के बाद, भारत और बांग्लादेश तीन मैचों की टी20 सीरीज़ में एक-दूसरे से भिड़ेंगे।

बता दें कि आगामी सीरीज में एक बार फिर से सूर्यकुमार यादव कप्तानी करते नजर आएंगे। टीम में संजू सैमसन और जितेश शर्मा विकेटकीपर-बल्लेबाज होंगे। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर नजरें रहेंगी। रियान पराग और नितीश कुमार रेड्डी भी विशेष आकर्षण वाले प्लेयर रहे। टीम में मयंक यादव को भी मौका दिया गया है।

सीरीज का पहला मैच 6 अक्टूबर को ग्वालियर में खेला जाएगा, इसके बाद दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 9 अक्टूबर (दिल्ली) और 12 अक्टूबर (हैदराबाद) को खेला जाएगा।

बांग्लादेश श्रृंखला के लिए भारत की टी20 टीम- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पंड्या, रियान पराग, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, और मयंक यादव।

बांग्लादेश टीम- नजमुल हुसैन शान्तो (कप्तान), तंजीद हसन तमीम, परवेज हुसैन इमोन (विकेटकीपर), तौहीद हृदोय, महमूद उल्लाह, लिट्टन दास (विकेटकीपर), जेकर अली अनिक (विकेटकीपर), मेहदी हसन मिराज। शक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, मुस्तफिजुर रहमान, रकीबुल हसन।

इगा स्वियातेक ने लिया बड़ा फैसला, 3 साल बाद विक्टोरोव्स्की से होंगी अलग

वारसॉ। शीर्ष रैंकिंग वाली पोलैंड की महिला टेनिस खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने शुक्रवार को अपने कोच टॉमस विक्टोरोव्स्की से अलग होने की घोषणा की और कहा कि यह निर्णय दोनों ने मिलकर लिया है। विक्टोरोव्स्की की कोचिंग में तीन सालों के दौरान स्वियातेक ने अपने पांच ग्रैंडस्लैम खिताबों में से चार जीते और महिलाओं की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंची। स्वियाटेक ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में लिखा- अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के तीन साल बाद, अपने कोच टॉमस विक्टरोव्स्की के साथ मिलकर हमने अलग होने का फैसला किया। मैं सबसे पहले शुक्रिया कहना चाहती हूं और हमारे (कोच के) साथ मिलकर किए गए काम की सराहना करती हूं। विक्टोरोव्स्की 2021 सत्र के अंत में स्वियाटेक के कोच नियुक्त हुए थे। उन्होंने उसे अपने करियर के 22 में से 19 खिताब और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने में भी मदद की थी। हमारा मुख्य लक्ष्य दुनिया का नंबर एक खिलाड़ी बनना था और कोच विक्टोरोव्स्की ने ही यह सबसे पहले कहा था। स्विएटेक ने अमेरिकी ओपन के क्वार्टरफाइनल में जेसिका पेगुला से हारने के बाद से किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। उन्होंने बीजिंग में चल रहे चीन ओपन से भी नाम वापस ले लिया था। स्विएतेक ने लिखा- मेरी टीम में इस महत्वपूर्ण बदलाव के कारण, मैं नए कोच के साथ काम शुरू करने के लिए खुद को कुछ हफ्तों का समय दे रही हूं। उन्होंने लिखा- कोच, धन्यवाद, आपको शुभकामनाएं।

एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला

सिडनी ।ऑस्ट्रेलियाई महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) अगले माह 27 अक्टूबर से शुरु होगी। डब्ल्यूबीबीएल लीग का पहला मुकाबला 27 अक्टूबर को एडिलेड में एडिलेड स्ट्राइकर्स और ब्रिसबेन हीट के बीच होगा। इस लीग में भारती की स्मृति मंधाना, दयालन हेमलता सहित छह भारतीय खिलाड़ी खेलती नजर आयेंगी। वहीं हरमनप्रीत सिंह और शैफाली वर्मा को इसमें शामिल नहीं किया गया है। मंधाना को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने पहले ही अनुबंधित कर लिया था। वहीं दयालन हेमलता पर्थ स्कॉर्चर्स की टीम से खेलेंगी। हेमलता पहली बार इस लीग में खेलेंगी। वहीं विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया भी इस लीग में पहली बार उतरेंगी। वह मेलबर्न स्टार्स टीम से खेलेंगी। ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी इस टीम में शामिल हैं। वहीं शिखा पांडे को ब्रिसबेन हीट ने शामिल किया है। वह पूरे सत्र के लिए उपलब्ध रहेंगी। इसका कारण है कि वह भारत की टी20 विश्व कप टीम में शामिल नहीं हैं। वह ब्रिसबेन हीट की टीम में जेमिमा रोड्रिग्स के साथ शामिल हुई हैं।

ईरानी कप : पृथ्वी शॉ के 76 रन, मुंबई के पास 274 रन की बढ़त

लखनऊ। अनुभवी स्पिनर शम्स मुलानी और तनुष कोटियान की शानदार गेंदबाजी के दम पर मुंबई ने शेष भारत के 6 विकेट 23 रन के भीतर चटकाकर ईरानी कप मैच के चौथे दिन अहम बढत बना ली। शेष भारत के लिए अभिमन्यु ईश्वर ने जांबाज पारी खेलते हुए 191 रन बनाए लेकिन दूसरे छोर से ध्रुव जुरेल (93) के अलावा उन्हें कोई सहयोग नहीं मिल सका। मुंबई के पहली पारी के 537 रन के जवाब में शेष भारत ने एक समय 4 विकेट पर 393 रन बना लिए थे। जुरेल और ईश्वरन ने 5वें विकेट के लिए 165 रन जोड़े। इसके बाद हालांकि मुलानी ने 10 मिनट के भीतर दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेजकर मैच का नक्शा पलट दिया। शेष भारत की टीम पहली पारी में 416 रन पर आउट हो गई जिससे मुंबई को 121 रन की अहम बढ़त मिली। मुंबई ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 153 रन बना लिए हैं और उसकी कुल बढत 274 रन की हो गई है। मुलानी ने 40 ओवर में 122 रन देकर और कोटियान ने 27 ओवर में 101 रन देकर तीन 3 विकेट लिए। मुंबई के लिए दूसरी पारी में पृथ्वी साव ने 105 गेंद में 76 रन बनाए। शेष भारत के आफ स्पिनर सारांश जैन ने 18 ओवर में 67 रन देकर 4 विकेट लिए। बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुतार ने 17 ओवर में 40 रन देकर दो विकेट चटकाए। पहले दिन तीन बल्लेबाजों की ऐशगाह लग रहे विकेट पर चौथे दिन 12 विकेट गिरे जिनमें से 11 स्पिनरों ने लिए।

हॉकी इंडिया लीग की 7 साल बाद वापसी, पहली बार महिला लीग भी होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की सात साल बाद 28 दिसंबर से नए स्वरूप में वापसी होगी जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में 6 टीमें भाग लेंगी। महिलाओं की स्पर्धा पहली बार आयोजित की जा रही है। लीग का आयोजन 28 दिसंबर से 1 फरवरी तक 2 स्थानों राउरकेला और रांची में किया जाएगा। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी यहां 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक एकत्र होंगे। खिलाड़ियों की नीलामी 3 श्रेणियों 2 लाख रुपए, 5 लाख रुपए और 10 लाख रुपए में की जाएगी।

पहली बार महिला लीग शुरू करने से महिला हॉकी खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए मंच मिलेगा। पुरुष वर्ग में फ्रेंचाइजी मालिक चेन्नई (चार्ल्स ग्रुप), लखनऊ (यादु ग्रुप), पंजाब (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट), ओडिशा (वेदांता लिमिटेड), हैदराबाद (रिसोल्यूट स्पोटर्स) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं।

महिला वर्ग में टीम मालिक हरियाणा (जेएसडब्ल्यू स्पोटर्स), पश्चिम बंगाल (श्राची स्पोटर्स), दिल्ली (महेश भूपति की एसजी स्पोटर्स एंड इंटरटेनमेंट) और रांची (नवोयम स्पोटर्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड) हैं। महिला लीग की बाकी 2 टीमों का ऐलान बाद में किया जाएग। हर टीम में 24 खिलाड़ी होंगे जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी होंगे। इनमें 4 जूनियर खिलाड़ी और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे होना अनिवार्य है। महिला लीग का फाइनल अगले साल 26 जनवरी को रांची में होगा जबकि पुरुष टीम का फाइनल एक फरवरी को राउरकेला में खेला जाएगा।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और लीग के चेयरमैन दिलीप टिर्की ने कहा कि महासंघ का अध्यक्ष बनने के बाद से उनका सपना लीग को फिर से शुरू करने का था। उन्होंने कहा कि प्रीमियर हॉकी लीग ने दुनिया में लीग का चलन शुरू किया। पद पर काबिज होने के बाद से हमारा सपना लीग को फिर शुरू करने का था। आज हमारा सपना पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि हॉकी इंडिया लीग से राष्ट्रीय टीमों के लिए खिलाड़ी निकलेंगे। यह हॉकी में नया इतिहास रचेगी। विश्व हॉकी के लिए भी यह अहम है। हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के शुक्रगुजार है कि हमें 35 दिन का विंडो मिला।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा कि इस लीग के लिए इंतजार लंबा रहा है। हॉकी भारत में खेल ही नहीं है बल्कि यह हमारे दिल में है। उन्होंने बताया कि एफआईएच ने लीग के लिए हॉकी इंडिया को 5 साल की विंडो दी है। उन्होंने यह भी बताया कि ओडिशा सरकार ने भारतीय हॉकी के साथ प्रायोजन करार 2036 तक बढ़ा दिया है।

वात्सल्यधाम में सुनिताज मेकर स्पेस द्वारा प्लांट अ स्माइल रैली का आरंभ

सुरत भुमि, सूरत। नवरात्रि महोत्सव के पहले दिन वात्सल्य धाम में सुनीताज मेकर स्पेस के प्लेटफार्म से प्लांट अ स्माइल कैंपेन का आरंभ किया गया। यह कैंपेन एक ऐसी पहल है जो समाज को खुश रहने और संस्कारी व्यक्तियों को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करती है। प्लांट अ स्माइल का लक्ष्य एक दुसरे के प्रति स्नेह बढ़े, सृजनात्मकता से भरे वर्कशॉप और पर्यावरण संरक्षण जैसी गतिविधियों पर जोर दिया जाता हैं। इसका उद्देश्य लोग एक दुसरे के प्रति सद्भाव बनाए, ज्ञान का आदान प्रदान करे, खुशियां बांटे और उससे समाज ने एक सकारात्मक परिवर्तन लाने का है।

प्लांट अ स्माइल रैली 3 अक्टूबर की अनाथ आश्रम वात्सल्य धाम से मशाल के साथ शुरू हुई और 11 अक्टूबर तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं से होते हुए लक्ष्मी विद्यापीठ सरिगाम पंहुचेंगी। यहां दस दिनों तक लक्ष्मी विद्यापीठ के विद्यार्थी प्लांट अ स्माइल के संदेश को दूर दराज के गांवों तक पहुंचाएंगे। इस मशाल रैली के दौरान वात्सल्य धाम के बच्चे एक संस्था पर पहुंचेंगे और वहां के बच्चो के साथ मिलकर पांच पौधे रोपेंगे। इसके बाद इस संस्था के बच्चे वात्सल्य धाम के बच्चों के साथ अगली संस्था में जाएंगे और उस संस्था के बच्चों के साथ मिलकर पौधारोपण करेंगे। यहां से पहली संस्था के बच्चे वापस लौटेंगे और यहां से नई संस्था के बच्चे वात्सल्य धाम के बच्चों के साथ मशाल रैली के साथ आगे बढ़ेंगे। इस तरह दस दिनों तक 100 जितने स्कूलों में प्लांट अ स्माइल मशाल रैली पर्यावरण संरक्षण का संदेश देगी।

इस रैली के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ का जतन का भी संदेश दिया जाएगा। वात्सल्य धाम के बच्चे समाज के मुख्यधारा के बच्चों से मिलेंगे और उनके साथ विभिन्न गतिविधियां करेंगे, जिससे समाज में अमीरी और गरीबी के बीच की खाई का अंतर घटेगा। इस रैली के दौरान विभिन्न स्कूल के 500 से अधिक बच्चे रैली में शामिल होंगे। समाज में एक दूसरे से खुशियां बाटने और खुशियों में बढ़ोतरी करने में रैली कड़ी बनेगी।

ताड़का वध, अहिल्या उद्धार, पुष्प वाटिका की लीला का मंचन

सुरत भुमि, सूरत। श्री आदर्श रामलीला ट्रस्ट के महामंत्री एवम संचालक अनिल अग्रवाल ने बताया की रामलीला महोत्सव के अंतर्गत ताड़का वध, सुबाहु मारीच वध, अहिल्या उद्धार, पुष्प वाटिका लीला का भावपूर्ण मंचन किया गया। इस दौरान हजारों लोग मौजूद रहे। शुक्रवार रात को रामलीला में विश्वामित्र राजा दशरथ के दरबार में पहुंचकर राम लक्ष्मण को मांगते हैं, परंतु वे प्रेमवश मना कर देते हैं, जिससे विश्वामित्र नाराज हो जाते हैं। इसके बाद गुरु वशिष्ठ के समझाने पर विश्वामित्र को राम लक्ष्मण सौंप देते हैं। विश्वामित्र दोनों भाइयों को लेकर वन की ओर जाते हैं और बताते है कि यहां पर ताड़का नाम की राक्षसी अपने पुत्र सुबाहु, मारीच के साथ रहती है और वह सुकेतु यक्ष की पुत्री है। अगस्त ऋषि के श्राप के कारण इस वन में रह कर उत्पात मचाती है। इसलिए वह राम को कहते हैं कि इस राक्षसी का का वध करना आवश्यक है। इसके बाद युद्ध होता है, जिसमें राम के हाथों ताड़का का वध होता है। इसके बाद आगे चलकर विश्वामित्र राम को अहिल्या के बारे में बताते है कि यह पत्थर की शिला शाप के कारण पत्थर बन गई थी। इसके बाद राम अहिल्या का उद्धार करते हैं। इसके बाद जनकपुरी में अशोक वाटिका में माता गोरा के पूजन के दौरान माता सीता की श्री रामचंद्र से प्रथम भेंट होती है।

आज आए हुए अतिथियों ने प्रभु श्री राम का आशीर्वाद प्राप्त किया एवम ट्रस्ट की तरफ से अध्यक्ष रतन गोयल ,लीला मंत्री अंशु पंडित,स्वागत मंत्री मनोज अग्रवाल ,प्रशासनिक मंत्री प्रह्लाद अग्रवाल ,आतिशबाजी मंत्री सुदर्शन मतानहेरिया और अन्य सदस्यो के द्वारा स्वागत किया गया । **5 अक्टूबर शनिवार की लीला राजा जनक को शिव धनुष मिलने का प्रसंग, धनुष यज्ञ, लक्ष्मण परशुराम संवाद**

गोल्डी सोलर ने मेजर केपेसिटी विस्तार की घोषणा की

गुजरात, सूरत। भारत के अग्रणी गुणवत्ता वाले सौर ब्रांड गोल्डी सोलर ने आज अपनी प्रमुख क्षमता विस्तार योजनाओं की घोषणा की। गोल्डी सोलर का लक्ष्य वित्त वर्ष 26 के मध्य तक अपनी मॉड्यूल निर्माण क्षमता को मौजूदा 3 गीगावॉट से बढ़ाकर 14 गीगावॉट करना है। गोल्डी सोलर ने वित्त वर्ष 2027 तक अपनी सेल विनिर्माण क्षमता को 4 गीगावॉट तक बढ़ाने की योजना बनाई है, जिसका लक्ष्य आयात निर्भरता को कम करना और भारत के सौर बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

विस्तार से कंपनी की विनिर्माण प्रक्रियाओं में सुधार होगा और उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। इससे उत्तर, पूर्व और दक्षिण भारत में नए बाज़ार अवसर भी खुलेंगे। इस व्यापक वृद्धि का समर्थन करने के लिए, गोल्डी सोलर ने 4,000 से अधिक कर्मचारियों को जोड़कर अपने कार्यबल का विस्तार करने और बढ़ती बाजार मांगों को पूरा करते हुए उच्च गुणवत्ता वाले सौर समाधान देने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की योजना बनाई है।

कंपनी के विकास के लिए अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए, गोल्डी सोलर के प्रबंध निदेशक और संस्थापक, कैप्टन ईश्वर ढोलकिया ने कहा, "यह क्षमता विस्तार गोल्डी सोलर के लिए एक निर्णायक क्षण है। हम सिर्फ अपनी विनिर्माण क्षमता का विस्तार नहीं कर रहे थे, हम नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और नेतृत्व की नींव भी बना रहे थे। हमारा लक्ष्य उद्योगों और समुदायों को स्थायी समाधान अपनाने के लिए सशक्त बनाते हुए सौर प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना है जो पीढ़ियों के लिए ऊर्जा परिदृश्य को आकार देगा। यह विस्तार हमें सर्वोत्तम प्रतिभा को आकर्षित करने और हरित भविष्य की दिशा में वैश्विक आंदोलन के साथ जुड़कर भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता में तेजी लाने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करने की अनुमति देता है।

गोल्डी सोलर ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई है। FY22 में कंपनी का टर्नओवर रु. FY24 में 600 करोड़ रु. 1,750 करोड़, जो पिछले तीन वर्षों में 191.67त्न की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, गोल्डी सोलर की मजबूत ऑर्डर बुक वर्तमान में रु. 5,350

संजय सरावगी बने अग्रवाल स्कूल के अध्यक्ष

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल समाज विद्या विहार ट्रस्ट की एग्जीक्यूटिव बोर्ड मीटिंग का आयोजन शुक्रवार को वेसु स्थित अग्रवाल विद्या विहार स्कूल में किया गया। मीटिंग में सर्वसम्मति से संजय सरावगी को अध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा संजय अग्रवाल, ओमप्रकाश सोंथालिया को उपाध्यक्ष, रसिक जालान को सचिव, बालकिशन अग्रवाल को सहसचिव, ओमप्रकाश झुनझुनवाला को कोषाध्यक्ष एवं कमल टाटानवाला को सहकोषाध्यक्ष बनाया गया। मीटिंग के अंत में सभी बोर्ड के सदस्यों ने पदाधिकारियों को शुभकामनाएँ दी। इस मौके पर नए अध्यक्ष संजय सरावगी का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इस अवसर पर संजय सरावगी ने कहा की अग्रवाल विद्या विहार स्कूल को नई उच्चाइयों पर लेकर जाना उनका लक्ष्य होगा।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने कामराज तालुक में 32.34 करोड़ रुपये की लागत से सड़क और स्ट्रीट लाइट कार्यों की घोषणा की।

सूरत। कामरेज विधानसभा विधायक और शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया ने कामरेज तालुक में ढांचागत विकास को बढ़ावा देने के लिए 32.34 करोड़ रुपये की लागत से सड़क और स्ट्रीट लाइट कार्य का उद्घाटन किया। कामराज तालुका के विभिन्न गांवों को जोड़ने वाले सड़क कार्यों की लागत रु। शेखपुर अंत्रोली वागा, गाइ गारन एप्रोच, स्टैंडर्ड पार-डी गाइपगलान रोड, ला रोसवाड रोड, जाट भरथाना एप्रोच, कोली भरथाना धारुका रोड, कोली भरथाना जोखा मोरथाना रोड, डुंगरा के खतमुहुर्त सहित कुल 53.3 किमी की 19 सड़कों में से 28.84 करोड़ 2.50 करोड़ रुपये की लागत से कोली भरथना रोड और 9 किमी. इसमें सड़कों के लंबे हिस्से पर स्ट्रीटलाइट का काम शामिल है।

विधायक एवं शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया की विकासात्मक सोच से कामरेज विधान सभा क्षेत्र को बेहतरीन सुविधाएं मिली हैं, आधुनिक ढांचागत कार्य व्यापक हुए हैं। नई सड़कों के निर्माण से कामराज विधानसभा के प्रत्येक नागरिक को परिवहन और दैनिक गतिविधियों में आसानी के साथ उत्कृष्ट सड़क सुविधाएं मिलेंगी। ये रास्ते कामराज के व्यवसाय विकास को भी बढ़ावा देंगे। इन चरणबद्ध विकासों से कामराज तालुका में नागरिकों के जीवन में सार्वजनिक सुविधाओं और खुशहाली की उपलब्धता बढ़ेगी।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में तालुका एवं जिला सभा के पदाधिकारी, निर्वाचित सदस्य, शक्तिकेन्द्र प्रभारी एवं सहप्रभारी, विभिन्न मोर्चों एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्ष, महामंत्री एवं कार्यकर्ता, शुभचिंतक, समाज अध्यक्ष, नगरवासी एवं ग्रामीण उपस्थित थे। सूरत शहरी विकास प्राधिकरण-ज्सूडाज्ज क्षेत्र के कामरेज तालुका में शामिल सत्यम चौक पर दादा भगवान मंदिर से नंदनवन टाउनशिप तक सड़क पर 2.6 किमी। एम। कामरेज चार रोड (जंक्शन) से कामरेज गांव से आगे एवेन्यू पार्क तक कामरेज आत्मिया विला में स्ट्रीटलाइट कार्य के साथ 2.6 किमी। एम। स्ट्रीटलाइट कार्य की लंबाई लगभग रु. 2.50 करोड़ की लागत से 9 किमी. एम।

अंतरराज्यीय अंग दान द्वारा 5 दिवसीय दाता लीवर ने शिशु को बचाया

NANAVATI MAX Super Speciality Hospital

सूरत। एक अभूतपूर्व चिकित्सा उपलब्धि में, सूरत की एक 5 दिन की बच्ची का परिवार उसके अंगों को दान करने के लिए सहमत हो गया, जिससे अंतिम चरण के अंग विफलता से पीड़ित दो शिशुओं को नया जीवन मिला। प्राप्तकर्ताओं में सूरत का एक 13 महीने का लड़का भी शामिल था, जिसका मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, नानावटी, मुंबई में सफल लीवर प्रत्यारोपण किया गया था। सटीक ट्रेन शेड्यूल और सावधानीपूर्वक नियोजित ग्रीन कॉरिडोर की बदौलत, कटे हुए अंग को सूरत और मुंबई के बीच ट्रेन द्वारा रिकॉर्ड 3 घंटे और 27 मिनट में 277 किमी की दूरी तय की गई।

नानावती मैक्स अस्पताल में बाल चिकित्सा हेपेटोलॉजी और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के निदेशक जो पिछले 8 महीनों से बच्चे का इलाज कर रहे हैं- डॉ. विभोर बोरकर ने कहा, च्बिलीरुबिन का ऊंचा स्तर मस्तिष्क को गंभीर क्षति पहुंचा सकता है। फोटोथेरेपी एकमात्र उपलब्ध उपचार है जिसमें बच्चे को 8-10 घंटे से अधिक समय तक नीली रोशनी में रखना शामिल है। यदि ठीक से प्रबंधन नहीं किया गया, तो हमेशा अपरिवर्तनीय मस्तिष्क क्षति का खतरा बना रहता है, "डॉ बोरकर ने कहा। सूरत और मुंबई के अस्पतालों, रेलवे अधिकारियों और यातायात पुलिस अधिकारियों के बीच समन्वय असाधारण था। मुंबई के नानावटी मैक्स हॉस्पिटल में लिवर, पैंक्रियाज, इंटेस्टाइन ट्रांसप्लांट के निदेशक डॉ. अनुराग श्रीमाल ने कहा, च्ट्रेन से अंग को पहुंचाना न केवल कुशल था, बल्कि दुर्लभ भी था। ट्रांसप्लांट सर्जरी 10 घंटे से अधिक समय तक चली ज्ज हमने सूक्ष्म सर्जरी की डॉ. श्रीमाल ने कहा, मरीज की बहुत कम उम्र को देखते हुए यह सफल रहा और प्राप्तकर्ता अच्छी तरह से ठीक हो रहा है।

सुबह 4.45 बजे, नानावती मैक्स अस्पताल के प्रत्यारोपण चिकित्सकों, लीवर एनेस्थेटिस्ट, अंग दान समन्वयक और विशेष लीवर देखभाल नर्सों की एक विशेष टीम कटे हुए लीवर के साथ डायमंड अस्पताल से रवाना हुई। अस्पताल और सूरत रेलवे स्टेशन के बीच एक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, जिससे टीम सुबह 5.12 बजे प्रस्थान करने वाली तेजस राजधानी एक्सप्रेस के समय पर पहुंच सकी। ट्रेन की यात्रा मुंबई के बोरीवली रेलवे स्टेशन पर अपने सामान्य समय से छह मिनट पहले पहुंचकर सुबह 7:40 बजे समाप्त हुई। मुंबई ट्रैफिक पुलिस की सुविधा वाला एक अन्य ग्रीन कॉरिडोर सुबह 8॰12 बजे तक नानावती अस्पताल में अंगों का आगमन सुनिश्चित करता है।

ओला इलेक्ट्रिक की 'बॉस- बिगेस्ट ओला सीज़न सेल' शुरू हुई

बैंगलुरू। भारत की सबसे बड़ी प्योर-प्ले ईवी कंपनी, ओला इलेक्ट्रिक ने आज त्योहारों के लिए अपना सबसे बड़ा ओला सीज़न सेल, बॉस शुरू किया। इस अभियान के अंतर्गत एस1 पोर्टफोलियो 49,999 रुपये की न्यूनतम राशि में उपलब्ध हो रहा है। साथ ही, कंपनी ने 37,000 रुपये तक के फेस्टिव बेनेफिट्स की घोषणा भी की है, जिनमें हाईपरचार्जिंग क्रेडिट्स, मूवओएस+ अपग्रेड, एक्सेसरीज़ पर एक्सक्लुसिव डील और केयर+ के साथ कई आकर्षक ऑफर शामिल हैं।

कंपनी आज से अपने बॉस अभियान के अंतर्गत निम्नलिखित बेनेफिट्स प्रदान करेगी।

बॉस के दौरान मूल्य: ओला एस1 एक्स 2 किलोवॉट घंटा का मूल्य 49,999 रुपये से शुरू (सीमित स्टॉक के लिए)

बॉस के दौरान डिस्काउंट: एस1 पोर्टफोलियो पर 25,000 रुपये तक का डिस्काउंट - एस1एक्स 2 किलोवॉटघंटा पर 25,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट, एस1 पोर्टफोलियो पर 12,000 रुपये तक के डिस्काउंट।

बॉस के दौरान वॉरंटी: 7,000 रुपये मूल्य की 8 साल/80,000 किलोमीटर की बैटरी वॉरंटी निशुल्क।

बॉस के दौरान फाईनेंस ऑफर: चुनिंदा क्रेडिट कार्ड ईएमआई पर 5,000 रुपये तक के फाईनेंस ऑफर।

बॉस के दौरान बेनेफिट्स: 6,000 रुपये मूल्य का मूवओएस+ अपग्रेड निशुल्क; 7,000 रुपये मूल्य के हाईपरचार्जिंग क्रेडिट निशुल्क।

इस अभियान के बारे में भाविश अग्रवाल, चेयरमैन एवं एमडी, ओला इलेक्ट्रिक ने कहा, "हम इन त्योहारों पर सभी ऑफरों के साथ बॉस शुरू करने के लिए उत्साहित हैं। यह ईवी खरीदने का सबसे अच्छा समय है। बॉस हमारी अब तक की सबसे बड़ी फेस्टिव पेशकश है, जिसके साथ हम अपना #EndICEAge मिशन आगे बढ़ा रहे हैं और देश में ईवी का विस्तार कर रहे हैं। सबसे बड़े डिस्काउंट, सबसे अच्छी डील्स और आकर्षक फाईनेंसिंग ऑफरों के साथ यह महंगे पेट्रोल वाहनों को पीछे छोड़ते हुए ईवी के विस्तार के लिए सबसे अच्छा समय है।"

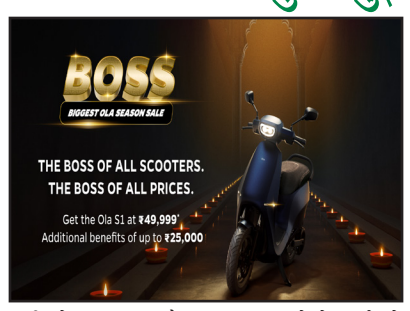

पिछले महीने ओला इलेक्ट्रिक ने अपने नेटवर्क पार्टनर प्रोग्राम की घोषणा की, जिसका उद्देश्य भारत में इसके सेल्स और सर्विस नेटवर्क का विस्तार करना है। इस प्रोग्राम के अंतर्गत ओला इलेक्ट्रिक की योजना 2025 के अंत तक अपने नेटवर्क को बढ़ाकर 10,000 तक ले जाना है। इसके साथ ही, ओला इलेक्ट्रिक द्वारा 1 लाख थर्ड पार्टी मैकेनिकों को प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि भारत में हर मैकेनिक ईवी को समझता हो।

अपने ग्राहकों को बेहतर आफ्टर-सेल्स अनुभव प्रदान करने के लिए ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में अभियान की घोषणा की थी। इस अभियान के अंतर्गत कंपनी इस साल दिसंबर तक अपने सर्विस नेटवर्क को दोगुना करते हुए 1000 सेंटर्स तक ले जाएगी। कंपनी ने अपने ग्राहकों के लिए क्विक सर्विस गारंटी और उद्योग का पहला एआई-आधारित प्रोएक्टिव मेंटेनेंस और डायग्नोस्टिक्स शुरू किया है।

किया ने इवी9 और कार्निवल लेमोज़िन के लॉन्च के साथ पेश किया किन 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन

नई दिल्ली। मशहूर प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किया ने एक बार फिर अपनी 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के साथ भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नए अंदाज में पेश करने के लिए दूरदर्शी नजरिया अपनाया है। किया 2.0 कंपनी के वाहनों में डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने पर फोकस किया गया है, जो भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नये बदलाव की शुरुआत करता है। कंपनी ने एकदम नई तकनीकों के साथ इस बदलाव को शुरू करने के लिए भारत में इवी9 और कार्निवल लेमोज़िन को लॉन्च किया है। इस तरह, कंपनी ने इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाली अपनी छवि को और निखारा है।

किया इंडिया के एमडी और सीईओ श्री ग्वांगू ली ने कहा, च्किया हमेशा ऐसी संभावनाओं की तलाश करती रहती जिसका न केवल कंपनी पर बल्कि पूरे ऑटोमोटिव इकोसिस्टम पर भी हमेशा के लिए सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। हमने 2019 में भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में हलचल मचा दी थी, हम अपनी किया 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के साथ 5 साल बाद फिर से ऐसा कर रहे हैं। किया 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन का उद्देश्य मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए पारंपरिक रूप से ऑटोमोबाइल को देखने के तरीके को फिर से परिभाषित करना है।

किया 2.0 में महत्वपूर्ण इनोवेशन किए गए हैं, जिसमें किया कनेक्ट 2.0 और एडवांस्ड व्हीकल टू एव्रीथिंग (वी2एक्स) तकनीक शामिल है। किया कनेक्ट 2.0 का मतलब है कि किया का अपडेटेड कनेक्टेड कार प्लैटफ़ॉर्म कई नए इनोवेशन के दरवाज़े खोलता है। नया प्लैटफ़ॉर्म न केवल मैप के लिए बल्कि वाहन डायग्नोस्टिक के लिए भी कंट्रोलर (ओवर द एयर) अपडेट सुविधा देता है। किया कनेक्ट 2.0 के तहत दिया गया किया को 44 और 27 कंट्रोलर मॉड्यूल के साथ रिमोट पर लेकर नए लॉन्च किए गए इवी 9 और कार्निवल लेमोज़िन में गड़बड़ी का पहचान और सॉफ्टवेयर अपडेट करने की सहूलियत देता है।

किया 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन के साथ एक और बड़ी उपलब्धि व्हीकल-टू-एवरी थिंग (वी2एक्स) टेक्नोलॉजी है, जो कनेक्टेड युग में नई संभावनाओं के द्वार खोलती है और खरीदारों की डिजिटल जीवनशैली के साथ सहजता से जुड़ जाती है। इस नजरिए के साथ, किया का लक्ष्य खरीदारों को उनके वाहनों की पूरी कीमत प्रदान करना है और एक ऐसे भविष्य के रास्ते खोलना है जहां मोबिलिटी और कनेक्टिविटी असीम संभावनाए पैदा करती हैं। वर्तमान में, इवी9 भारत में एकमात्र ऐसा वाहन है जिसमें वी2एक्स क्षमता है।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट की प्रमुख दक्षिणी सुपर स्टार्स टीम गांधी जयंती पर सूरत में वृक्षारोपण अभियान के साथ 'स्वच्छ भारत' के लिए एक अनूठी पहल की गई

सूरत। गांधी जयंती के अवसर पर, चल रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट का नेतृत्व करने वाली दक्षिणी सुपरस्टार टीम के खिलाड़ियों ने माननीय प्रधान मंत्री की च्स्वच्छ भारतज पहल में योगदान देकर पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक सार्थक कदम उठाया है। टीम ने रोटरी क्लब सूरत तापी के सहयोग से विद्या भारती स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सूरत में वृक्षारोपण अभियान चलाया। यह पहल स्वच्छ, हरित भारत बनाने के व्यापक राष्ट्रीय मिशन के साथ जुड़ी हुई है। यह आंदोलन राष्ट्रपिता श्री महात्मा गांधी द्वारा प्रचारित स्वच्छता और पर्यावरण प्रबंधन के मूल्यों का प्रतीक है।

कार्यक्रम में कोच माइकल बेवन के साथ चिराग गांधी, जय सलकारिया और हैमिल्टन मसाकाद्ज़ा ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस उद्देश्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता न केवल खेल के प्रति बल्कि समाज पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के लिए टीम के समर्पण को दर्शाती है। पेड़ लगाकर, उन्होंने स्वच्छ भारत आंदोलन की सच्ची भावना को मूर्त रूप देकर देश के हरित भविष्य में योगदान देने के लिए एक कदम आगे बढ़ाया है।

वृक्षारोपण अभियान रोटरी क्लब सूरत तापी के सहयोग से चलाया गया, जो इस क्षेत्र में सामुदायिक कल्याण परियोजनाओं में सबसे आगे है। यह सहयोग नागरिकों को स्थानीय पर्यावरण को बढ़ाने और स्थिरता और कल्याण को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों में शामिल करने के लिए खेल और सामुदायिक संगठनों के बीच एक साझा दृष्टिकोण की रूपरेखा तैयार करता है।

जैसा कि दुनिया महात्मा गांधी के मूल्यों को दर्शाती है, स्वच्छ भारत पहल में दक्षिणी सुपरस्टार का योगदान हमें याद दिलाता है कि हर व्यक्ति और संगठन कैसे बदलाव ला सकता है। उनके कार्यों ने देश भर में युवाओं और खेल समुदाय के लिए एक मजबूत उदाहरण स्थापित किया है, जो दूसरों को स्वच्छ, हरित भारत की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करता है।

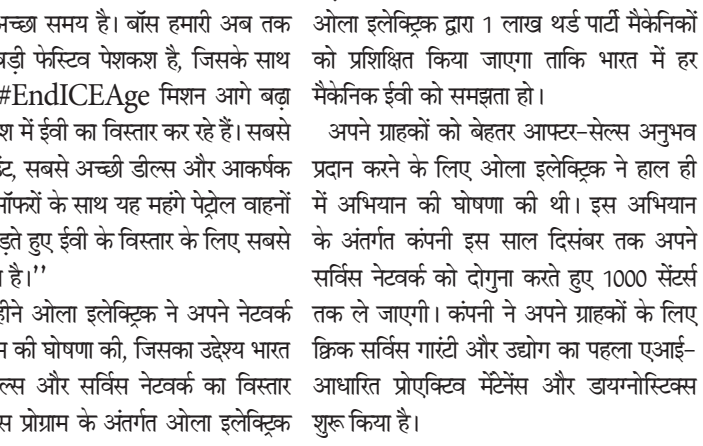

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)